E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 209 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

ईरान ने बेटे मोजतबा की नियुक्ति की खबरों को किया खारिज पेज 2

असम विधानसभा चुनाव : अखिल गोगोई ने कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची पर उठाए सवाल पेज 3

सरकारी और निजी स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी, अवहेलना करने पर होगी सख्त कार्रवाई पेज 5

टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने अब तक खेले हैं छह सेमीफाइनल, दो बार... पेज 7

## पश्चिम एशिया में युद्ध थमने के संकेत नहीं, ड्रोन और मिसाइलों की बौछार तेज

**वॉशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव (हि.स.)।** अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के पांचवें दिन भी थमने के कोई संकेत नहीं हैं। दोनों पक्षों की ओर से लगातार हमले किए जा रहे हैं। अमेरिका ईरान के लक्षित ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से में नागरिकों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी है, वहीं ईरान ने खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की बौछार कर दी। हालात बिगड़ने के बीच सऊदी अरब और कुवैत में अमेरिकी दूतावास बंद कर दिए गए। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब की ऑयल कंपनी अरामको की रास तनूरा रिफाइनरी पर फिर से एक ड्रोन हमला किया गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी है। दो दिन पहले भी इस पर ईरान ने हमला किया था। यह रिफाइनरी सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी में से एक है। यहां प्रतिदिन 5.50 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल रिफाइन किया जाता है। इसी बीच इजराइली सेना ने ईरान में ताजा हमलों की जानकारी दी। इसके मुताबिक ईरान के मिसाइल ठिकानों, आईआरजीसी की स्वयंसेवी अर्धसैनिक शाखा *बसीज* के दर्जनों ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा कमान केंद्रों को निशाना बनाया गया। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट में इजरायल रक्षा बलों ने दावा किया कि उसके एफ-35 लड़ाकू विमान ने तेहरान के ऊपर रूस निर्मित ईरानी वाईएके-130 फाइटर जेट को मार गिराया है। इजराइल के हमले से लेबनान की राजधानी बेरूत सुबह-सुबह दहल उठी। इजरायल ने दक्षिणी उपनगरों में कई चरणों में हमले किए, जिससे रिहायशी इमारतें जमींदोज हो गईं और एक होटल भी क्षतिग्रस्त हुआ। उधर, हिजबुल्लाह ने इस लड़ाई में पहली बार लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया। तेल अवीव में सायरन बजने के बाद नागरिकों को शरणस्थलों में जाना पड़ा। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिका ईरान में लक्षित -शेष पृष्ठ दो पर

### अमेरिका से नहीं होगी बातचीत, ट्रंप जब तक चाहे जारी रख सकते जंग : ईरान

**तेहरान।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पांचवें दिन और ज्यादा उग्र हो गया है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत नहीं करेगा और जरूरत पड़ी तो लंबे समय तक जंग जारी रखेगा। दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के वरिष्ठ सहयोगी मोहम्मद मोखबर ने ईरानी सरकारी टीवी से कहा कि ईरान का अमेरिका से बातचीत का कोई इरादा नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप जब तक चाहे जंग जारी रखें और हम जितना जरूरी होगा, उतना युद्ध जारी रख सकते हैं। ईरान की इस्लामिक रेवल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### सुप्रभात

*दंड से संपदा का आयोजन होता है।*

- आचार्य चाणक्य

## न्यूज गैलरी

### महाविकास आघाड़ी की ओर से शरद पवार संयुक्त उम्मीदवार आज भरेंगे नामांकन

**मुंबई (हि.स.)।** महाविकास आघाड़ी (एमवीए) की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार को संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया गया है। पवार गुरुवार को राज्यसभा के उम्मीदवार के रुप में अपना नामांकन भरेंगे। राकांपा एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि उन्होंने शरद पवार को फिर से -शेष पृष्ठ दो पर

### खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम टला

**तेहरान।** तेहरान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम दर्शन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। उनका अंतिम संस्कार कब किया जाएगा, इसकी नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी के मुताबिक, खामेनेई की वसीयत के मुताबिक, उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। हाल ही में इजराइल और अमेरिका के -शेष पृष्ठ दो पर

## आज रास के लिए नामांकन भरेंगे नीतीश कुमार

### *निशांत को मिलेगी डिप्टी सीएम की कुर्सी*

**पटना / नई दिल्ली।** बिहार की सियासत में बड़ा उलट-फेर होता नजर आ रहा है। जनता दल (यूनाइटेड) के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजा जा सकता है। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद, बिहार के मुख्यमंत्री की कमान कौन संभालेगा? केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को बिहार दौरे पर रहेंगे, जहां वह कुछ बड़ी घोषणा कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार के सीएम इस्तीफा देकर राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन फाइल कर सकते हैं। इस बीच, जेडी-यू एमएलसी संजय गांधी ने कहा कि यह नीतीश कुमार का फैसला होगा कि वह राज्यसभा जाना चाहते हैं या नहीं। हमने चुनावों को देखते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए एक मीटिंग की थी। जेडीयू सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार ने राज्यसभा सीट के लिए नामांकन की तैयारी कर ली है। पार्टी ने नीतीश के नामांकन के लिए सारे पेपर तैयार कर लिए हैं और वो कल नामांकन करेंगे। इसके साथ ही खबर यह भी है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। बता दें कि हाल ही में दैनिक जागरण ने निशांत कुमार की राजनीति में कदम रखने की खबर चलाई थी, जिसमें बताया गया था कि उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी भी मिल सकती है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 10 राज्यों की 37 सीटों को भरने के लिए काउंसिल ऑफ स्टेट्स (राज्यसभा) के आने वाले दो साल में होने वाले चुनावों का शेड्यूल अनाउंस किया है, क्योंकि सदस्यों का टर्म अप्रैल 2026 में पूरा होने वाला है। खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से चुने गए 37 सदस्यों का टर्म अप्रैल महीने में खत्म हो जाएगा, जिससे नए सदस्यों के चुने जाने के लिए सीटें खाली हो जाएंगी। चुनाव प्रोसेस शुरू करने के लिए 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नॉमिनेशन की आखिरी तारीख 5 मार्च है, जिसके बाद 6 मार्च को स्क्रूटनी होगी। उम्मीदवार 9 मार्च तक अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। पोलिंग 16 मार्च को होगी, और वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे होगी।

## सीएम डॉ. शर्मा ने 284 एसीएस अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

**गुवाहाटी।** मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को यहां एक समारोह में असम सिविल सेवा (एसीएस) के 284 नव-भर्ती अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। दामोदर देव इंटरनेशनल ऑडिटोरियम में बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि यह वितरण राज्य सरकार के *भ्रष्टाचार मुक्त रोजगार मॉडल* की एक और सफल क्रियान्वयन का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया, असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) एक ऐसी संस्था थी जहां पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया गया था और इसने कई जिंदगियां बर्बाद कर दी थीं। हमारी सरकार ने व्यवस्था को साफ किया है, जिससे पारदर्शी, योग्यता आधारित और भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती सुनिश्चित हुई है। उन्होंने नव निर्वाचित अधिकारियों से शासन में निष्पक्षता और ईमानदारी को संस्थागत रूप देने और *विकसित असम* के लक्ष्य को साकार करने में मदद करने के लिए ईमानदारी से लोगों की सेवा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिणाम घोषित होने के दो सप्ताह के भीतर ही नियुक्ति पत्रों के आज के वितरण के साथ, हमने 2021 से अब तक 1,58,380 नौकरियां प्रदान की हैं, जो एक लाख नौकरियों के हमारे वादे से कहीं अधिक है। शर्मा ने आगे कहा कि 2026 के बाद रोजगार के और अधिक अवसर खुलेंगे। एसीएस (जूनियर ग्रेड) और संबद्ध सेवाओं के लिए 2024 की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयनित 284 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, साथ ही फोरेंसिक विज्ञान -शेष पृष्ठ दो पर

### असम में कांग्रेस की पहली सूची पर पार्टी में बढ़ा असंतोष

**गुवाहाटी (हिंस)।** आगामी विधानसभा चुनाव के लिए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद पार्टी में परिवारवाद को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। आरोप है कि सूची में आठ ऐसे उम्मीदवारों को स्थान दिया गया है, जो स्थापित कांग्रेस नेताओं के पुत्र या पुत्री हैं। इससे कई विधानसभा क्षेत्रों में असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पार्टी के भीतर और बाहर के आलोचकों का कहना है कि कांग्रेस अब भी वंशवादी परंपरा से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई है। उनका आरोप है कि जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर नेहरू-गांधी परिवार लंबे समय से नेतृत्व में -शेष पृष्ठ दो पर

### *असम में कांग्रेस की लिस्ट पर सीएम का तीखा हमला, कहा-*

## यह वंशवादी सूची है

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने बुधवार को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस द्वारा जारी उम्मीदवारों की पहली सूची पर जमकर निशाना साधा और इसे *वंशवादी सूची* करार दिया। उन्होंने भाजपा द्वारा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं पर दिए जा रहे जोर की सराहना की। होली उत्सव के बीच बरपेटा दौल महोत्सव में बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इसे सूची कहा जा सकता है, लेकिन मैं इसे वंशवादी सूची कहूंगा। इसके विपरीत, भाजपा की सूची में जमीनी स्तर के कार्यकर्ता -शेष पृष्ठ दो पर

## बिहू और झूमोइर की सफलता के बाद अब होगी सामूहिक होली गीत प्रस्तुति : सीएम

**गुवाहाटी।** हाल के वर्षों में रिकॉर्ड तोड़ बिहू और झूमोइर प्रदर्शनों का आयोजन करने के बाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि वह अब राज्य में एक और सांस्कृतिक मील का पत्थर स्थापित करने के लिए एक सामूहिक होली गीत प्रस्तुति की योजना बना रहे हैं। होली के अवसर पर ऐतिहासिक बरपेटा सत्र के अपने दौरे के दौरान बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि उन्होंने शुरू में इस वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करने पर विचार किया था, लेकिन चुनाव कार्यक्रम के कारण इस विचार को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं इसकी योजना बना रहा था और इस साल इसे आयोजित करने के बारे में सोच रहा था, लेकिन चुनावों के कारण मुझे लगा कि यह उचित नहीं होगा। आने वाले वर्ष में हम इस दिशा में काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली के अवसर पर बरपेटा सत्र का दौरा करके उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। हर साल होली के दौरान, -शेष पृष्ठ दो पर

### असम-नगालैंड सीमा पर तनाव बढ़ा, स्थानीयों ने 7 को सड़क जाम की चेतावनी दी

**जोरहाट।** बुधवार को असम-नगालैंड सीमा पर तनाव बढ़ गया क्योंकि गोलाघाट जिले के चुंगाजन के निवासियों ने नगालैंड के निउलैंड जिले के अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर स्थापित एक गेट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि ढांचा नहीं बनाया गया तो वे 7 मार्च को चुंगाजन को दीमापुर से जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों को 12 घंटे के लिए अवरुद्ध कर देंगे। चुंगजान क्षेत्र के नबामिलनपुर गांव में कथित तौर पर निर्मित इस द्वार पर नगालैंड के निउलैंड जिले का नाम अंकित है और इसने सीमावर्ती क्षेत्र के निवासियों से कड़ा विरोध उत्पन्न कर दिया है, जो दावा करते हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

## श्रीलंका के तट पर डूबा ईरानी नौसेना का जहाज 101 लोग लापता, 78 को बचाया गया

**नई दिल्ली (हि.स.)।** विशाखापत्तनम के पूर्वी तट पर पिछले माह हुए इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू से लौट रहा ईरानी जहाज श्रीलंका के तट पर समुद्र में डूब गया है। जहाज पर सवार 180 नाविकों में से अब तक 78 को बचा लिया गया है। इनमें से 32 लोगों को गंभीर हालत में करापितिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। ईरानी जहाज पर सबमरीन हमले के बाद कम से कम 101 लोग लापता हैं। मरने वालों की सही संख्या की जांच अभी भी चल रही है, क्योंकि अधिकारी सर्च और रेस्क्यू की कोशिशें जारी रखे हुए हैं। ईरानी जहाज के डूबने से हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा और एनर्जी शिपिंग रास्तों पर युद्ध के असर को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारतीय नौसेना ने पिछले माह विशाखापत्तनम के पूर्वी तट पर इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू और बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास *मिलन* का आयोजन किया, जिसमें 74 देशों की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया था। ईरानी फ्रिगेट आईआरआईएस डेना ने भी फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लिया था। उसके साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, -शेष पृष्ठ दो पर

### *ईरान-इजरायल युद्ध का असर नहीं*

## भारत की पेट्रोल-डीजल की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस तैयार

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान होने की स्थिति में रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है। मॉस्को से मिले आश्वासन की अहमियत तब और बढ़ गई जब कतर एनर्जी ने दो मार्च को रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी और मेसाईद इंडस्ट्रियल सिटी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और संबंधित उत्पादों का उत्पादन रोक दिया है। रूसी दूतावास के एक अधिकारी ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति -शेष पृष्ठ दो पर

## पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच असम से लगभग 10 करोड़ किलोग्राम चाय के निर्यात पर मंडरा रहा है खतरा

**जोरहाट।** प्रमुख चाय बागान मालिक और भारतीय चाय बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रभात बेजबरुआ के अनुसार, यदि प्रमुख शिपिंग मार्गों में व्यवधान लंबे समय तक जारी रहता है, तो मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष असम के चाय उद्योग को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। संघर्ष के चाय व्यापार पर संभावित प्रभाव के बारे में बात करते हुए, बेजबरुआ ने कहा कि एक लंबा युद्ध और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के संभावित बंद होने से भारत से पश्चिम एशियाई देशों को चाय के निर्यात पर गंभीर रूप से असर पड़ सकता है। अगर युद्ध लंबे समय तक चलता है तो चाय उद्योग को नुकसान उठाना पड़ेगा। पिछले साल भारत ने लगभग 280 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था, और इसका लगभग 40 प्रतिशत (लगभग 100 मिलियन किलोग्राम) इराक, ईरान, यूएई, ओमान और जॉर्डन सहित पश्चिम एशियाई देशों को गया था, बेजबरुआ ने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि -शेष पृष्ठ दो पर

## अमेठी की खूनी होली : त्योहार के दिन सात मौतें, 11 लोग घायल

**अमेठी।** रंगों और उमंग का पर्व होली इस बार जिले के कई परिवारों के लिए दुख और मातम लेकर आया। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों, करंट लगने और संदिग्ध परिस्थितियों की घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि मुसाफिरखाना और गौरीगंज में हुए अलग-अलग हादसों में 11 लोग घायल हो गए। इन घटनाओं ने कई घरों की खुशियां पल भर में छीन लीं। कमरौली के गढ़ा मोड़ के पास लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को डीसीएम की टक्कर से साइकिल सवार अनवरी बानों (55) की मौत हो गई, जबकि उनके पति मोहम्मद वसीम (59) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों साइकिल से दवा लेने जा रहे थे। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

## खामेनेई की हत्या तीसरे दिन भी कश्मीर में सख्त प्रतिबंध

**श्रीनगर ( हि.स. )।** ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में घाटी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद बुधवार को लगातार तीसरे दिन कश्मीर के कई इलाकों में सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। एहतियात के तौर पर सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों को शनिवार तक बंद कर दिया है, जबकि मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी बनी हुई है। कश्मीर के कई हिस्सों में बुधवार को भी लोगों की आवाजाही और एकत्र होने पर प्रतिबंध जारी रहा। कश्मीर के बड़ी शिया आबादी वाले हिस्सों और उन क्षेत्रों में सख्त प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जहां पिछले तीन दिनों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया था।

### खामेनेई के उत्तराधिकारी पर सस्पेंस!

# ईरान ने बेटे मोजतबा की नियुक्ति की खबरों को किया खारिज

तेहरान। मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास के माध्यम से ईरानी सरकार ने इजरायली मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि मोजतबा खामेनेई को उनके दिवंगत पिता अयातुल्ला खामेनेई का उत्तराधिकारी नामित किया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में वाणिज्य दूतावास ने कहा कि ईरान की विशेषज्ञ सभा द्वारा नेतृत्व के लिए संभावित उम्मीदवारों के चयन के संबंध में मीडिया में प्रसारित हो रही खबरों का कोई आधिकारिक स्रोत नहीं है और इन्हें आधिकारिक तौर पर खारिज किया जाता है। इससे पहले इजरायली मीडिया ने खबर दी थी कि अयातुल्ला खामेनेई के बेटे मोजतबा को उनके पिता का उत्तराधिकारी चुना गया है और वे सर्वोच्च नेता का पदभार संभालेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों ने इजरायली मीडिया को बताया कि आने वाले घंटों में विधानसभा द्वारा मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी घोषित किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, इस घटनाक्रम पर ईरान के आधिकारिक सरकारी मीडिया से कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा ने अपने दिवंगत पिता के कार्यालय के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आईआरजीसी और कुद्स फोर्स के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके घनिष्ठ संबंध हैं। इजरायली मीडिया ने मोजतबा को उनके पिता की तुलना में अधिक कट्टरपंथी रुख वाला और ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हिंसक दमन के पीछे का व्यक्ति बताया है। नवंबर 2019 में, अमेरिकी वित्त विभाग ने मोजतबा पर प्रतिबंध लगाए थे। उन्हें तत्कालीन सर्वोच्च नेता का आधिकारिक रूप से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था, जबकि वे कभी भी निर्वाचित या सरकारी पद पर नियुक्त नहीं हुए थे। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया है कि ईरानी लोग आज शाम तेहरान के इमाम खुमैनी प्रार्थना स्थल पर आयोजित एक समारोह में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम विदाई देंगे। यह समारोह तीन दिनों तक चलेगा और अंतिम संस्कार जुलूस की घोषणा अंतिम रूप दिए जाने के बाद की जाएगी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रहने के बावजूद बदले की भावना से ईरान पर बमबारी करने का आरोप लगाते हुए उन पर हमला किया है।

## तेई, कुकी, नागा और मैतेई पंगल समुदायों के 24 युवाओं ने मणिपुर एकीकरण यात्रा में भाग लिया

**इंफाल।** मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने मंगलवार को असम राइफल्स, कीथेलमानबी से *राष्ट्रीय एकता यात्रा 2025-26* को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे राज्य के विविध समुदायों के बीच एकता का प्रतीक बताया। मुख्यालय 9 सेक्टर के अंतर्गत 33 असम राइफल्स द्वारा आयोजित यह दौरा मणिपुर के 24 युवाओं को 3 मार्च से 13 मार्च, 2026 तक इंफाल, तिरुवनंतपुरम, कन्याकुमारी, मुंबई और कोलकाता ले जाएगा। इस अध्ययन में मैतेई, कुकी, नागा और मैतेई पंगल (मुस्लिम) समुदायों से छह-छह युवा शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया कि टीम एक एकीकृत मणिपुर का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें राज्य में रहने वाले विभिन्न समुदायों के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं के बीच आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है। मणिपुर में हाल ही में हुए संकट को याद करते हुए , सिंह ने कहा कि असम राइफल्स द्वारा मेइतेई और कुकी दोनों समुदायों से संबंधित 47,000 से अधिक लोगों को उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने इस कठिन दौर में बल की त्वरित और समर्पित प्रतिक्रिया की सराहना की। मुख्यमंत्री ने सुलह की अपील करते हुए कहा कि मतभेदों को युवा पीढ़ी के भविष्य को खतरे में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने लोगों से क्षमा करने और राज्य में शांति और विकास की दिशा में सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। एक ऐसे क्षण में जिसने सबका ध्यान आकर्षित किया, सिंह ने कुकी युवाओं को उनकी स्थानीय बोली में संबोधित करते हुए पूछा, *बु ना नेह ताह आम* (क्या आपने खाना खा लिया है), जिस पर उन्होंने उत्तर दिया, *का ने ताई* (हमने खाना खा लिया है)। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को एक्सपोजर टूर का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें सरकार के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। एकता के प्रतीक के रूप में, चारों समुदायों में से प्रत्येक से एक प्रतिनिधि को मिलाकर एक समूह बनाया गया और उन्हें सामूहिक सद्भाव और साझा पहचान का प्रतीक एक झंडा सौंपा गया।

## इंफाल हवाई अड्डे पर दो किलो अफीम जब्त, उग्रवादी गिरफ्तार

**इंफाल ( हिंस )।** इंफाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सामानों की स्क्रीनिंग के दौरान लगभग दो किलोग्राम अफीम बरामद की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि यह बरामदगी नियमित जांच प्रक्रिया के दौरान हुई। जब्त किए गए सामान के स्रोत का पता लगाने तथा इसके ट्रांजिट में शामिल लोगों की पहचान के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। वहीं,एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने एक कथित उगाहीकर्ता को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान अचोम लुवांगबा मैतेई (44) के रूप में हुई है। वह प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) का सक्रिय सदस्य बताया गया है।

## 7 को उप राष्ट्रपति की यात्रा के लिए त्रिपुरा तैयार

**अगलतला।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 7 और 8 मार्च को त्रिपुरा के अगरतला का दौरा करने वाले हैं। अपने दौरे के दौरान, वे त्रिपुरा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे और कई आधिकारिक कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर विशाल कुमार के अनुसार, उपराष्ट्रपति त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे, जिसे लोकप्रिय रूप से माताबारी मंदिर के नाम से जाना जाता है, और *लखपति दीदियों* से बातचीत करने के लिए हपानिया मेला मैदान का भी दौरा करेंगे। विशाल कुमार ने कहा कि 7 और 8 मार्च को माननीय राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन त्रिपुरा का दौरा करेंगे। यह त्रिपुरा के सभी लोगों के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। वे माताबारी महाता से मुलाकात करेंगे। वे त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री माणिक साहा जिला मजिस्ट्रेट ने आगे कहा कि राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह हपानिया मेला मैदान में लखपति दीदियों से भी बातचीत करेंगे। राज्य सरकार और त्रिपुरा विश्वविद्यालय सहित केंद्रीय एजेंसियों द्वारा सभी व्यवस्थाएं कर दी गई हैं।

## पलाशबारी में सड़क हादसा, दो की मौत

**कामरूप ( हिंस )।** कामरूप (ग्रामीण) जिले के पलाशबारी में आज हुए सड़क हादसे में दो युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि होली के दिन पलाशबाड़ी के लोहारघाट इलाके में दो बाइक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रसेनजीत दास और रविन राभा के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सड़क हादसे में मारे गए दोनों युवकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## पृष्ठ एक का शेष

### पश्चिम एशिया में युद्ध ...

ठिकानों पर चौबीसों घंटे हमले कर रहा है। पिछले सौ से भी कम घंटे में करीब 2000 लक्ष्यों को निशाना बनाया जा चुका है। अमेरिकी नौसेना ने ईरान के 17 युद्धपोत डुबो दिए हैं, जिसमें उसकी सबसे आधुनिक पनडुब्बी भी शामिल है। अरब की खाड़ी, होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में ईरानी नौसेना के किसी भी जहाज का संचालन नहीं हो रहा। ईरान के जवाबी हमलों के बाद अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी है। संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन और सऊदी अरब से चार्टर उड़ानों के जरिए अमेरिकियों को निकालने की कोशिश की जा रही है। हालांकि दूतावासों और हवाई क्षेत्र के बंद होने से निकासी अभियान जटिल हो गया है। ईरान ने बुधवार सुबह करीब 40 मिसाइलें दागने का दावा किया। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोहा के पास एक एयर बेस पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल गिरी, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। एक अन्य मिसाइल को कतर की वायु रक्षा प्रणाली ने हवा में ही मार गिराया। कुवैत की सेना के मुताबिक कई शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों को इंटरसेप्ट किया गया, लेकिन मलबा रिहायशी इलाके में गिरने से कुछ लोग घायल हुए और नुकसान हुआ। सऊदी अरब ने भी पूर्वी हिस्से में एक ड्रोन मार गिराने की पुष्टि की है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कूटनीतिक धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जटिल परमाणु वार्ताओं को रियल एस्टेट सौदे की तरह लेना और बड़े झूठ फैलाना अवास्तविक उम्मीदों को जन्म देता है। दूसरी ओर, ईरान ने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता चुन लेने का दावा किया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद होगी। सरकारी टीवी चैनल के अनुसार अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया स्थानीय समयानुसार आज रात्रि 10 बजे से शुरू की जाएगी। तेहरान में तीन दिन तक जनता को अंतिम दर्शन की अनुमति दी जाएगी। अंतिम यात्रा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि अगर अली खामेनेई के बाद ईरान में जो भी नया नेता बनेगा उसे भी खत्म कर दिया जाएगा। काट्ज ने यह भी कहा कि नाम या जगह से कोई फर्क नहीं पड़ता, इजराइल उसे ढूंढ लेगा। लगातार पांचवें दिन जारी हवाई हमलों और मिसाइल हमलों के बीच पूरे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द कूटनीतिक समाधान नहीं निकला तो यह संघर्ष और व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है।

### अमेरिका से नहीं होगी ...

दावा किया कि उसने अमेरिका और इजरायल के ठिकानों पर हमलों की 17वीं लहर शुरू की है। आईआरजीसी के अनुसार 230 से अधिक अटैक ड्रोन दागे गए। इरबिल और कुवैत स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया व उत्तरी इराक में *आतंकी ठिकानों* को नष्ट कर दिया। आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई ऑपरेशन ट्रू प्रोमिस 4 के तहत की गई। आईआरजीसी ने दावा किया कि बहरीन में एक बड़े अमेरिकी एयरबेस के कमांड सेंटर तबाह कर दिए गए हैं। ईरान के मुताबिक, जंग के पहले दो दिनों में अमेरिकी ठिकानों पर हमलों से 680 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक हताहत हुए। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमलों के जवाब में सैन्य कार्रवाई *वैध आत्मरक्षा* है। प्रो-फिलिस्तीनी हैकर ग्रुप हैंडाला ने इजरायल के इनस्टिट्यूट फॉर नेशनल सिक्योरिटी स्टाडिज (आईएनएसएस) में सेंध लगाने का दावा किया है और गोपनीय दस्तावेज जारी करने की चेतावनी दी है। विश्लेषकों का मानना है कि बातचीत से इनकार और हमलों के दावों के साथ यह संघर्ष और व्यापक हो सकता है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता गहरा सकती है।

### सीएम डॉ. शर्मा ने ...

निदेशालय में नियुक्त पांच वैज्ञानिक अधिकारियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए। इस अवसर पर स्वागता सतीर्थ पोर्टल 2.0 के तहत पारस्परिक स्थानांतरण पत्र भी वितरित किए गए। उसी स्थान पर आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री ने वन विभाग के लिए नए शामिल किए गए 143 वाहनों को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जमीनी स्तर पर आवागमन और परिचालन दक्षता में महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पहल से वन निगरानी में काफी सुधार होगा, राज्य की समृद्ध जैव विविधता का संरक्षण मजबूत होगा और स्वच्छ एवं हरित असम के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को और बल मिलेगा।

### असम में कांग्रेस की...

प्रभावी रहा है, उसी प्रकार असम में भी राजनीतिक परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है। कई स्थानीय नेताओं ने खुलकर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि वर्षों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे सामान्य कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है और टिकट वितरण में प्रभावशाली राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को तरजीह दी जा रही है। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में आंतरिक असंतोष की खबरें भी सामने आई हैं। इसी बीच पार्टी में इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। सिलचर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजीव रॉय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, जिससे चुनाव पूर्व संगठनात्मक स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि पार्टी नेतृत्व समय रहते इस आंतरिक असंतोष को दूर नहीं करता है, तो इसका प्रभाव आगामी चुनावों में देखने को मिल सकता है।

### यह वंशवादी सूची...

शामिल होंगे। पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह बयान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा मंगलवार को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची की घोषणा के बाद आया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्य भर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के लिए कुल 42 उम्मीदवारों का चयन किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई (जोरहाट), बितुपन सैकिया (गोलाघाट), गौरीपुर से अब्दस सोबाहन अली सरकार, गोलपारा पश्चिम (एसटी) से मार्कलाइन मारक, बोंगाईगांव से गिरीश बरुआ, बरपेटा (एससी) से महानंदा सरकार और बोको-चायगांव (एसटी) से रामेन सिंह राभा शामिल हैं। अन्य प्रमुख नाम सत्यब्रत कलिता (कमालपुर), रिपुन बोरा (बोरशोला), मीरा बोरठाकुर गोस्वामी (दिसपुर), दिगंता बर्मन (बरखेत्री), उपताल गोगोई (सोनारी), अजॉय कुमार गोगोई (डेमो), देबब्रत सैकिया (नाजिरा), और अशोक कुमार शर्मा (नलबाड़ी) हैं। कई महिला नेताओं को भी मैदान में उतारा गया है, जिनमें नंदिता दास (हाजो-सुआलकुची एससी), पल्लबी सैकिया गोगोई (तेओक), और सुरुचि रॉय (राम कृष्ण नगर एससी) शामिल हैं। सूची में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई उम्मीदवार शामिल हैं। घोषणा पर एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा हस्ताक्षर किए गए और आधिकारिक तौर पर प्रकाशन के लिए जारी किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले उम्मीदवारों के नामांकन की पुष्टि की गई। इससे पहले, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने मंगलवार को गोलाघाट जिले के कोमारगांव में बिरांगना सती साधना समन्वय क्षेत्र की आधारशिला रखी। यह पहल बिरंगना सती साधनी को श्रद्धांजलि अर्पित करने और ऐतिहासिक चुटिया साम्राज्य की समृद्ध विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के लिए की गई है।

### बिहू और झूमोइर की ...

मैं बरपेटा सत्र आने के बारे में सोचता हूं। आज मुझे कोइला बाबा और दौल गोविंद की पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं असम के लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं, उन्होंने आगे कहा। राजनीतिक मोर्चे पर, शर्मा ने असम गण परिषद (अगप) के साथ गठबंधन वार्ता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि बातचीत अंतिम चरण में है और अगले दो से तीन दिनों में घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज राज्य चुनाव समिति की बैठक है। हमने पहले ही राभा जौथा संग्राम समिति के साथ गठबंधन कर लिया है और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ गठबंधन को आज अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। अगप के साथ गठबंधन दो से तीन दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। शर्मा ने पुष्टि की कि अगप के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था निश्चित है और कहा कि निर्णय इस तरह से लिए जाएंगे जिससे अगप और भारतीय जनता पार्टी दोनों के हितों और सम्मान की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि हम सीटों का निर्धारण इस तरह करेंगे जिससे जीत सुनिश्चित हो और आपसी सम्मान बना रहे। यदि संभव हो तो हम आज रात तक सब कुछ अंतिम रूप देने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार, इस दौरे ने सांस्कृतिक आकांक्षाओं और चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों दोनों को रेखांकित किया, जिसमें मुख्यमंत्री ने भविष्य में होली के आयोजन की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की और संकेत दिया कि गठबंधन संबंधी निर्णय शीघ्र ही अंतिम रूप दे दिए जाएंगे।

### असम-नगालैंड सीमा ...

यह असम के भीतर क्षेत्रीय नियंत्रण स्थापित करने का एक प्रयास है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे इस मुद्दे को राज्य सरकार के समक्ष पहले ही उठा चुके हैं, लेकिन लगभग एक महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं मिली है। निवासियों ने इससे पहले 17 फरवरी को एक विरोध रैली का आयोजन किया था, जिसके बाद उन्होंने गोलाघाट जिले के उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गेट को तत्काल हटाने और असम सरकार से स्थिति को संभालने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। हालांकि, अभी तक कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। बुधवार को चुंगाजन में प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया, जिसमें सड़क पर टायर जलाए गए और कथित अतिक्रमण के खिलाफ नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब प्रदर्शनकारियों में से एक का मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से कथित तौर पर झगड़ा हो गया। स्थानीय प्रदर्शन नेता दिपेन गोगोई ने कहा कि नबमिलनपुर और आसपास के सीमावर्ती गांवों के निवासियों ने बार-बार सरकार से इस मुद्दे के समाधान के लिए निर्णायक कदम उठाने की मांग की है। सरूपथार में पहले हुए हमारे विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से हमने असम सरकार को स्पष्ट संदेश दिया था। हमने चेतावनी दी थी कि सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों के धैर्य की परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए, गोगोई ने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि एक महीने बीत जाने के बाद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि आज भी नबमिलनपुर में *निउलैंड जिला* के नाम वाला गेट लगा हुआ है। हमने मीडिया और विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से सरकार से बार-बार सीमा मुद्दे को सुलझाने और यहां रहने वाले लोगों के अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया है। गोगोई ने यह भी बताया कि सीमावर्ती गांवों के कई निवासी वर्षों की मांग के बावजूद अभी भी भूमि पट्टे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सरकार से लंबे समय से चले आ रहे भूमि संबंधी मुद्दों को हल करने और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को पट्टे उपलब्ध कराने का अनुरोध करते रहे हैं। बार-बार अपील करने के बावजूद कोई सार्थक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

### श्रीलंका के तट पर...

साउथ कोरिया, रूस और दर्जनों दूसरे देशों के वॉरशिप खड़े थे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने फ्लीट का रिव्यू किया था। ईरान के नेवी कमांडर रियर एडमिरल शाहराम ईरानी ने भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के साथ मैरीटाइम सिक्योरिटी कोऑपरेशन को मजबूत करने पर बातचीत की थी। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी नौसेना को गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस पिंकनी को भेजना था, लेकिन आखिरी मिनट में रद्द कर दिया गया। इसकी वजह बताई गई कि अगर फ्लीट रिव्यू के दौरान ईरान के साथ जंग छिड़ जाती, तो पिंकनी को आईआरआईएस डेना के साथ खड़ा करना शर्मनाक होता। बहरहाल, 25 फरवरी को आयोजन खत्म होने के तीन दिन बाद 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च कर दिया। यह ल?ाई अब काफी तेज हो गई है और एक-दूसरे के खिलाफ हवाई हमलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिथा हेराथ ने बताया कि आज सुबह स्थानीय समयानुसार 5:08 बजे जब ईरानी जहाज डेना श्रीलंका से लगभग 40 नॉटिकल मील दक्षिण में था, तभी चालक दल ने 180 क्रू सदस्य वाले इस फ्रिगेट के डूबने की सूचना दी। इसके बाद दो नेवी वेसल और एक एयरक्राफ्ट तैनात किए गए। ऑपरेशन चलाकर जहाज पर सवार 180 नाविकों में से अब तक 32 को बचा लिया गया है, जिन्हें गंभीर हालत में करापितिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। ईरानी जहाज पर सबमरीन हमले के बाद कम से कम 101 लोग लापता हैं। हेराथ ने हादसे के पीछे एक धमाके का जिक्र किया, लेकिन वजह नहीं बताई। इस हादसे के पीछे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन सरकार की तरफ से तुरंत कोई जवाब नहीं आया है। ईरानी जहाज डेना 1,300 से 1,500 टन का फ्रिगेट है, जो 94 मीटर लंबा है और इसमें एंटी-शिप मिसाइल, टॉरपीडो और देश में बने इंजन लगे हैं। यह वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम वाला पहला ईरानी वॉरशिप था। यह कोई कोस्टल पेट्रोल बोट नहीं थी। यह ईरान की सबसे मॉडर्न सरफेस कॉम्बैटेंट क्लास थी। अगर हादसे के पीछे अमेरिकी हमला था, तो इसका मतलब है कि युद्ध फारस की खाड़ी से 4,000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर तक पहुंच गया है। अगर यह एक दुर्घटना थी, तो युद्ध क्षेत्र से गुजर रहे एक युद्धपोत को सबसे बुरे समय में भयानक विफलता का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका नेवी के जहाज बचाव अभियान में लगे हुए हैं, क्योंकि समुद्र में अभी भी मौजूद लोगों का पता लगाने और उनकी मदद करने की कोशिशें जारी हैं।

### भारत की पेट्रोल-डीजल ...

में व्यवधान जारी रहने की स्थिति में हम भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार हैं। ईरान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के बाद ऊर्जा आपूर्ति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत कच्चे तेल और एलएनजी के आयात के एक बड़े हिस्से के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर है, हालांकि हाल के वर्षों में इसने रूस से काफी अधिक मात्रा में आपूर्ति प्राप्त करके अपने अन्य स्त्रोत तैयार किए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आश्वासन दिया कि देश में कच्चे तेल और पेट्रोल, डीजल और एटीएफ सहित प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है, ताकि पश्चिम एशिया में तनाव से उत्पन्न स्थिति से निपटा जा सके। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अपने स्त्रोतों में विविधता लाकर अपनी आबादी के लिए ऊर्जा की उपलब्धता और सामर्थ्य दोनों सुनिश्चित की है। भारतीय ऊर्जा कंपनियों के पास अब ऐसे ऊर्जा स्त्रोत उपलब्ध हैं जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नहीं गुजरते हैं।

### पश्चिम एशिया में चल...

भारतीय चाय उद्योग और पश्चिम एशिया के बीच मजबूत व्यापारिक संबंध का मतलब है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की दीर्घकालिक अस्थिरता निर्यात को काफी हद तक बाधित कर सकती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में इन देशों को होने वाले निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। यह सिर्फ ईरान ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैली अस्थिरता भी व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। बेजबरुआ ने इस बात पर जोर दिया कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद या प्रतिबंधित रहता है तो स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो इसका चाय उद्योग पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि कई पश्चिम एशियाई बाजारों में होने वाली खेप इसी मार्ग से होकर गुजरती है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि ईरान निर्यात बाजार का हिस्सा है, लेकिन देश को सीधे निर्यात की जाने वाली चाय की मात्रा तुलनात्मक रूप से कम है। उन्होंने बताया कि पिछले साल ईरान को लगभग 12 मिलियन किलोग्राम चाय निर्यात की गई थी। भले ही ईरान के आयात प्रभावित हों, लेकिन इसका सीधा असर शायद बहुत ज्यादा न हो। लेकिन पूरे पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अस्थिरता का असर कुल निर्यात पर अवश्य ही पड़ेगा। बेजबरुआ के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक अन्य महत्वपूर्ण बाजार इस संघर्ष से काफी हद तक अप्रभावित रह सकता है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल लगभग 20 मिलियन किलोग्राम चाय संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात की गई थी, और मौजूदा संघर्ष से उस बाजार में निर्यात पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। बेजबरुआ ने कहा कि चाय उद्योग पर युद्ध के प्रभाव का पूरी तरह से आकलन करना अभी भी बहुत जल्दबाजी होगी, क्योंकि असम में नया उत्पादन चक्र आमतौर पर अप्रैल में शुरू होता है। उन्होंने कहा कि असम में चाय का उत्पादन अप्रैल से शुरू होता है। तभी हमें यह समझ में आएगा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति निर्यात और व्यापार के स्वरूप को कैसे प्रभावित कर सकती है।

### अमेठी की खूनी...

मौके से फरार हो गया। घायल वसीम का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। इन्हौना के कैथागांव धीरापुर निवासी राज बहादुर (60) की भी सड़क हादसे में जान चली गई। लखनऊ-सुल्तानपुर राजमार्ग पर अनियंत्रित कार की टक्कर से उनकी मौत हो गई। बाजार शुकुल के बागमीरा भिटवा गांव निवासी शिव ओम (18) की बुधवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। वह साइकिल से होली खेलने जा रहा था। जैसे ही वह जगदीशपुर-सत्थिन मार्ग पर चढ़ा, सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को ग्रामीणों ने सीएचसी जगदीशपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीपरपुर के सवनगी गांव में करिश्मा (27) संदिग्ध परिस्थितियों में मायके के कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मुंशीगंज के सेवई हेमगढ़ गांव में खेत से लौट रहे किसान घेराऊ प्रजापति (65) बिजली के टूटे तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। मुसाफिरखाना के जाखा शिवपुर निवासी सुनील कुमार वर्मा (30) का शव लालगंज चौराहे के पास सड़क किनारे झाड़ियों में मिला। मौके पर उनकी क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी मिली। पुलिस के अनुसार बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरने से उनकी मौत हुई।

### महाविकास आघाड़ी की ...

राज्यसभा में भेजने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से चर्चा की थी। इन सभी नेताओं ने शरद पवार को महाविकास आघाड़ी का संयुक्त उम्मीदवार बनाए जाने की सहमति दी है। सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार कल राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भरेंगे और महाविकास आघाड़ी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि वे इस सिलसिले में मंगलवार को शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिली थीं और उद्धव ठाकरे ने भी शरद पवार को समर्थन दिया है। सुप्रिया सुले ने उद्धव ठाकरे का भी आभार व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि शरद पवार हमारे वरिष्ठ नेता हैं और इसी वजह से पार्टी ने पवार को समर्थन दिया है। सपकाल ने कहा कि शरद पवार राज्यसभा में महाविकास आघाड़ी को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही महाविकास आघाड़ी महाराष्ट्र में भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करने वाली है।

### खामेनेई के अंतिम ...

हमले में उनकी मौत हो गई थी। बुधवार को ईरानी टेलीविजन ने बताया कि शहीद इमाम के अंतिम दर्शन समारोह को स्थगित कर दिया गया है और नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। अंतिम दर्शन का आयोजन करने वाली संस्था, तेहरान की इस्लामिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन काउंसिल के प्रमुख मोहसेन महमूद ने मीडिया को बताया कि इसका एक प्रमुख कारण लाखों लोगों की मौजूदी की आशंका है। अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं और इसमें भारी भीड़ जुटने की आशंका है, जिसके चलते शोक सभा पर अमेरिका-इजराइल के हमलों का खतरा मंडरा रहा है। 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के अंतिम संस्कार में लगभग 1 करोड़ लोग शामिल हुए थे। यह रिपोर्ट ईरान की इस्लामिक प्रचार परिषद के प्रमुख हुज्जतोलेस्लाम महमूद के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि विदाई समारोह तेहरान के इमाम खुमैनी प्रार्थना कक्ष में रात 10 बजे (18:30 जीएमटी) शुरू होगा और तीन दिनों तक चलेगा। महमूद ने कहा कि प्रार्थना कक्ष आने वाले लोगों के लिए खुला रहेगा और प्रिय लोग विदाई समारोह में शामिल हो सकते हैं। खामेनेई का शनिवार को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता थे, उन्होंने शाह के बाद के ईरान के संस्थापक खोमेनी का स्थान लिया था, जिन्होंने देश की 1979 की क्रांति का नेतृत्व किया था। सर्वोच्च नेता के पास सरकार की सभी शाखाओं, सेना और न्यायपालिका पर अंतिम अधिकार होता है, साथ ही वह देश के आध्यात्मिक नेता के रूप में भी कार्य करता है। बुधवार की सुबह अधिकारियों ने कहा था कि खामेनेई के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाए जाने से पहले उसी शाम तेहरान में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। ईरान ने मंगलवार को एलान किया था कि हमले में शहीद हुए सुप्रीम लीडर सैयद अली खामेनेई को मशहद में दफनाया जाएगा। राजधानी तेहरान में खामनेई के लिए एक बड़ी पब्लिक विदाई का इंतजाम किया जाएगा। समारोह आयोजित करने वाली कमेटी ने बयान में बताया कि खामेनेई को उनकी आखिरी वसीयत के मुताबिक मशहद में इमाम रजा पवित्र दरगाह पर इमाम अली इब्न मूसा अल-रिदा की दरगाह के पास दफनाया जाएगा। खामेनेई का जन्म 19 अप्रैल 1939 को मशहद में ही हुआ था मशहद का अर्थ शहीद की जगह है। मशहद में शिया इस्लाम के आठवें इमाम इमाम अली अल-रजा की कब्र मौजूद है।

## दुलियाजान में उत्तेजित भीड़ ने तेंदुए को मार डाला

**डिब्रूगढ़ (हिंस)।** वन विभाग की कथित निष्क्रियता के चलते दुलियाजान में आज उत्तेजित भीड़ ने एक तेंदुए को मार डाला। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुओं की आवाजाही से लोगों में भारी दहशत का माहौल बना हुआ था। जानकारी के अनुसार, दुलियाजान के मधुटिंग, बरकोला और टिपलिंग सहित कई इलाकों में पिछले काफी समय से तेंदुओं का मुक्त विचरण जारी था, जिससे स्थानीय निवासियों के बीच भय और असुरक्षा की भावना बढ़ गई थी। लोगों का कहना है कि इस संबंध में वन विभाग को कई बार शिकायत दी गई थी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध के बावजूद तेंदुए को पिंजरे में बंद करने या पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे नाराज होकर आज एक समूह ने तेंदुए को घेरकर पिटाई की, जिसके परिणामस्वरूप उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष और वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामले की विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

# असम विधानसभा चुनाव : अखिल गोगोई ने कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची पर उठाए सवाल

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम में प्रस्तावित 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच शिवसागर के विधायक और राइजर दल के प्रमुख अखिल गोगोई ने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी उम्मीदवारों की पहली सूची पर आपत्ति जताई है। उनके बयान के बाद विपक्षी खेमे में संभावित दरार की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, बीते कल (मंगलवार को) असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिल गोगोई ने कहा कि राइजर दल के साथ सीट-शेयरिंग को लेकर बातचीत जारी थी, इसके बावजूद कांग्रेस की ओर से एकतरफा उम्मीदवारों की घोषणा करना *दुर्भाग्यपूर्ण* और *असंवैधानिक* कदम है। गोगोई ने कहा कि जब गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, तब कांग्रेस को इस तरह एकतरफा सूची जारी नहीं करनी चाहिए थी। इससे भरोसे को ठेस पहुंची है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम विपक्षी एकता के लिए सही संकेत नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब राज्य में अप्रैल के आसपास विधानसभा चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक आधिकारिक तिथियों की घोषणा नहीं की है। ऐसे में सीट बंटवारे को लेकर असहमति भाजपा विरोधी गठबंधन की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया है कि राइजर दल के साथ अभी कोई औपचारिक गठबंधन नहीं हुआ है, हालांकि बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई है, इसलिए पार्टी ने अपनी रणनीति के तहत उम्मीदवारों की घोषणा की है। कांग्रेस के नेताओं ने यह भी बताया कि असम जातीय परिषद (एजेपी) के साथ समझौता हुआ है, जिससे संकेत मिलता है कि चुनिंदा क्षेत्रों में गठबंधन आधारित रणनीति अपनाई जा रही है। असम की राजनीति में इस घटनाक्रम को अहम मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में राइजर दल और कांग्रेस के बीच बातचीत किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या विपक्षी एकता कायम रह पाती है या नहीं।

# मेघालय डीएचएसीडी चुनाव : भाजपा, एनसीपी टीएमसी ने उम्मीदवारों की सूची जारी की

**शिलांग।** मेघालय में राजनीतिक दलों ने गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) के 10 अप्रैल के चुनावों के लिए तैयारियों को तेज कर दिया है, उम्मीदवारों के नए बैचों की घोषणा की है और पूरे क्षेत्र में एक कड़े बहुकोणीय मुकाबले के लिए मंच तैयार किया है भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को 30 सदस्यीय परिषद के लिए 19 उम्मीदवारों की सूची जारी की। प्रमुख नामों में राज्य उपाध्यक्ष और तुरा से मौजूदा एमडीसी उम्मीदवार बर्नार्ड एन मारक शामिल हैं। पार्टी ने सिजू से मार्क पंतेंग एम संगमा और बारेंगापारा से अक्की ए संगमा को भी मैदान में उतारा है। भाजपा उम्मीदवारों में विल्नाथ टी संगमा (अमोंगपारा), रेप्सिन एम संगमा (डेंगनाकपारा), ड्रोजिल डी संगमा (बोल्डमग्रे), सालिबिर्थ एम संगमा (नोगोरपारा), भूपेंद्र हाजोंग (जिकजक), हीरालाल कोच (बेटासिंग), जेबर्थ एम संगमा (रोंचोनपारा), रिक्से के मराक (बालाचंदा), क्लेमेंट मराक (बटाबारी), जॉन कोट्स संगमा (श्यामनगर) शामिल हैं। रहीनाथ बारचुंग (नागुआपारा), बार्निंग मराक (रोंग्रेंग), सेंगपैन के मराक (बोलसोंग), विकास जी मोमिन (दमस), सेंगसरंग आर मराक (खरकुट्टा) और चार्ल्स टी संगमा (समंदग्रे)। एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस बीच 10 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की है। राज्य चुनाव समिति के अध्यक्ष ओके संगमा ने कहा कि पार्टी ने पहले छह उम्मीदवारों की घोषणा की थी और 2 मार्च को हुई बैठक के बाद नवीनतम नामों को मंजूरी दी गई। उन्होंने आगे कहा कि तीसरी और अंतिम सूची 6 मार्च के बाद घोषित की जाएगी। राकांपा के नव घोषित उम्मीदवार किंगस्टोन बोलवारी मराक (बतावरी), क्रिस्टन मराक (आसनांग), बैथियम ए संगमा (डेंगनाकपारा), बीना रोजलीन ए संगमा (बेटासिंग), ग्रेसफील्ड च मारक (नोगोरपारा), अर्नासन च मारक (रोंग्रिकिमग्रे), डोमिनिक च संगमा (बालाचंदा), डैनियल एम संगमा (रोंचोनपारा), सेंगगम के संगमा (सिजू रोंगारा) और हैं। लॉर्डमाउंटविरिथिंट्स जी मोमिन (अमोंगपारा)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गारो हिल्स क्षेत्र की विधानसभा सीटों के लिए 14 उम्मीदवारों के नाम भी घोषित किए हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि जिला और राज्य दोनों स्तरों पर परामर्श के बाद चयन किए गए हैं और उन्होंने परिषद चुनावों में मजबूत प्रदर्शन का विश्वास व्यक्त किया। जीएचएडीसी के लिए मतदान 10 अप्रैल को होगा। चुनाव 29 सीटों के लिए निर्धारित हैं, जबकि एक सदस्य को परिषद के लिए मनोनीत किया जाएगा।

## राज्यपाल ने सिलचर में असम राइफल्स के जवानों के साथ मनाई होली

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने असम राइफल्स की 38वीं बटालियन के जवानों और अधिकारियों के साथ श्रीकोना, सिलचर में आज होली का उत्सव मनाया। राज्यपाल ने जवानों को होली की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र सेवा में उनके समर्पण, अनुशासन और साहस की सराहना की। उन्होंने पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने तथा स्थानीय समुदायों के साथ विश्वास मजबूत करने में असम राइफल्स की भूमिका की प्रशंसा की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें महानिरीक्षक (पूर्व) मेजर जनरल इंद्रजीत सिंह भिंडर भी उपस्थित रहे।

# कांग्रेस ने पांच राज्यों के चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही असम के लिए 42 कैंडिडेट घोषित किया

**गुवाहाटी।** कांग्रेस ने पांच राज्यों के चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही असम के लिए 42 कैंडिडेट घोषित कर दिया हैं। कांग्रेस ने चुनाव कार्यक्रम आने से पहले ही उम्मीदवार तय करके चौंका दिया है। कांग्रेस ने ऐसा तब किया है जब राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी अभी चुनावी माहौल बनाने में जुटी है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा तमाम बड़े कार्यक्रम के जरिए सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने में जुटे हैं। कांग्रेस ने 42 कैंडिडेट की पहली सूची में गौरव गोगोई को जोरहाट से उतारा है। कांग्रेस ने इससे पहले चौंकाते हुए प्रियंका गांधी को असम के मोर्चे पर लगाया था। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव 2026 की पहली सूची में लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और जोरहाट से सांसद गौरव गोगोई को जोरहाट विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। गोगोई का विधानसभा चुनाव लड़ना इस बार कांग्रेस की रणनीति में बड़ा संकेत माना जा रहा है। जारी सूची के अनुसार अभिजीत पॉल को सिलचर, इंद्रनील पेगु को माजुली और मीरा बोरठाकुर गोस्वामी को दिसपुर सीट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। असम चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने पहले ही प्रियंका गांधी को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया था। माना जा रहा है कि टिकट वितरण में देरी और आंतरिक असंतोष से बचने के लिए इस बार पार्टी ने समय रहते सूची जारी कर दी है। बिहार विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे को लेकर हुए विवाद से सबक लेते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने असम में रणनीतिक तेजी दिखाई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार गौरव गोगोई का विधानसभा चुनाव लड़ना कांग्रेस के लिए मनोबल बढ़ाने वाला कदम है। जोरहाट लोकसभा क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है और पार्टी को उम्मीद है कि उनका प्रभाव आसपास की सीटों पर भी पड़ेगा। असम की सियासी तस्वीर पर नजर डालें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में 126 सीटों में से एनडीए को 75 और कांग्रेस गठबंधन को 50 सीटें मिली थीं। वोट प्रतिशत में दोनों के बीच महज 1.6 प्रतिशत का अंतर था। एनडीए को 43.9 प्रतिशत जबकि कांग्रेस गठबंधन को 42.3 प्रतिशत वोट मिले थे। आंकड़े बताते हैं कि अगर विपक्षी दलों के बीच बेहतर तालमेल बनता है तो इस बार मुकाबला कड़ा हो सकता है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक जल्द ही बाकी सीटों पर भी उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। पार्टी इस बार संगठनात्मक एकजुटता और मजबूत उम्मीदवारों के सहारे असम में सत्ता की वापसी की कोशिश में जुटी है।

## असम विस चुनाव के लिए राइजर दल ने 11 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम विधानसभा चुनाव के लिए राइजर दल ने बुधवार को 11 प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी की चुनाव समिति से अनुमोदित इस सूची की औपचारिक घोषणा पार्टी अध्यक्ष अखिल गोगोई ने की। पार्टी की सूची के अनुसार विधानसभा क्षेत्र पूब ग्वालपाड़ा से अब्दुल रसीद मंडल को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि जालुकबाड़ी से रमेन चंद्र बरठाकुर को टिकट दिया गया है। मानस से अंजन तालुकदार और दलगांव से अजिजुर रहमान को प्रत्याशी घोषित किया गया है। वहीं, धिंग से मेहबूब मुख्तार को मैदान में उतारा गया है, जबकि तेजपुर से अलक नाथ को उम्मीदवार बनाया गया है। सिसिबर गांव से दुलाल चंद्र बरुवा और मार्घेरीटा से राहुल छेत्री को टिकट दिया गया है। इनके अलावा, दिगबोई से लक्ष्यज्योति गोगोई, मरियानी से डॉ. ज्ञानश्री बोरा तथा बोकाखात से रतन दाव को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने संकेत दिया गया है कि आगामी दिनों में अन्य प्रत्याशियों की सूची भी चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी।

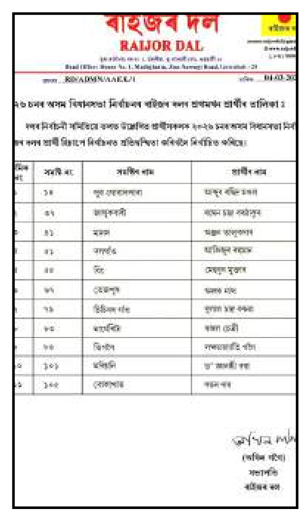



## होली पर भाजपा की शुभकामनाएं; जन आशीर्वाद यात्रा को अभूतपूर्व जनसमर्थन

**गुवाहाटी (हिंस)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने होली के पावन अवसर पर राज्य की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी ने कामना की है कि रंगों का यह उत्सव असम में एकता, सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को और सुदृढ़ करे। प्रदेश प्रवक्ता मीता नाथ बोरा ने कहा कि उत्सव के इस वातावरण के बीच भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा राज्य के राजनीतिक इतिहास की एक उल्लेखनीय जनसंपर्क पहल के रूप में उभरी है। यह यात्रा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में संचालित हो रही है, जिसे जनता का अपार स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर हजारों की संख्या में नागरिक, बुजुर्ग, युवा, किसान, चाय बागान श्रमिक तथा विभिन्न समुदायों के लोग मुख्यमंत्री का स्वागत करने पहुंचे। नेतृत्व और जनता के बीच भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान सबसे विशेष बात यह रही कि लोग किसी शिकायत या मांग के साथ नहीं, बल्कि एक ही संदेश के साथ पहुंचे- डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को पुन: असम का मुख्यमंत्री देखने की इच्छा। जनसभाओं में राज्य में हुए विकास कार्यों के प्रति आभार की भावना झलकी। यह यात्रा असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया की उपस्थिति में आगे बढ़ रही है, जिससे कार्यकर्ताओं में नया उत्साह संचारित हुआ है और संगठनात्मक मजबूती को बल मिला है। 5 से 9 मार्च के बीच यात्रा के धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, तिनसुकिया और नलबाड़ी जिलों में पहुंचने को लेकर व्यापक उत्साह देखा जा रहा है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। मीता नाथ बोरा ने कहा कि इन जिलों में भाजपा सरकार के कार्यकाल में आधारभूत संरचना, भूमि संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। अतिक्रमण हटाकर हजारों बीघा भूमि को मुक्त कराया गया है। *एति कोली दूटी पात* योजना के माध्यम से चाय जनजाति समुदाय की महिलाओं को मातृत्व सहायता और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज और कैंसर केंद्र की स्थापना से उच्च असम में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में उन्नत कॉरिडोर निर्माण जैसे परियोजनाओं से विकास और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया गया है। गैंडा संरक्षण में भी राज्य ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

## हग्रामा महिलारी नेतृत्व वाली बीटीसी सरकार का विस्तार

**गुवाहाटी (हिंस)।** बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) की सरकार का विस्तार कर दिया गया है। हग्रामा महिलारी की अनुशंसा पर राज्यपाल ने बीटीसी की कार्यकारी सदस्यों की संख्या में वृद्धि को मंजूरी प्रदान की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 30 नंबर गोरेश्वर निर्वाचन क्षेत्र से बोपीएफ के पार्षद महेश्वर बसुमतारी, 27 नंबर नागुरजुली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की पार्षद लक्ष्मी दास तथा मनोनीत पार्षद कर्मेश्वर राय को कार्यकारी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इन नई नियुक्तियों के साथ महिलारी के नेतृत्व वाली बीटीसी सरकार में कार्यकारी सदस्यों की संख्या 14 से बढ़कर 17 हो गई है। इस विस्तार को परिषद की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

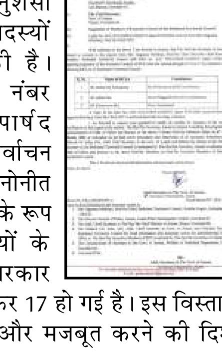

## टैंकर पलटने से सड़क अवरूद्ध

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके में एक सीमेंट ढोने वाले टैंकर के पलट जाने की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। पुलिस पुलिस ने बुधवार को बताया कि सीमेंट ढोने वाले एक टैंकर पलट जाने की वजह से गुवाहाटी की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची यातायात पुलिस की टीम ने किरान की मदद से राष्ट्रीय राजमार्ग से टैंकर को हटाया। जिसके बाद आवाजाही बहाल हो पाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# विकसित भारत के निर्माण में लोक भवन, असम की अनूठी पहल : सेवा संकल्प सप्ताह


एसएस मीनाक्षी सुंदरम, आईएएस
राज्यपाल, असम के आयुक्त एवं सचिव


भारत वर्ष आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में खड़ा यह राष्ट्र भविष्य के विराट लक्ष्य की ओर अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वर्ष 2047 तक *विकसित भारत* के निर्माण का जो संकल्प प्रस्तुत किया गया है, वह केवल आर्थिक प्रगति का स्वप्न नहीं है, वह सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, सुशासन, नैतिक पुनर्जागरण और जनभागीदारी का व्यापक राष्ट्रीय अभियान है। इसी राष्ट्रीय दृष्टि को धरातल पर साकार करने की दिशा में असम के माननीय राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी की प्रेरणा से लोक भवन, असम द्वारा आयोजित ***सेवा संकल्प सप्ताह*** एक अनूठी और दूरदर्शी पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल दर्शाती है कि यदि लोक भवन जैसी संवैधानिक संस्था भी लोक सेवा के सक्रिय केंद्र के रूप में कार्य करे, तो शासन और समाज के बीच संवाद और सहयोग की नई ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। भारतीय संस्कृति में ***सेवा परमो धर्म:*** जीवन की साधना है। हमारे पुराणों, महाकाव्यों और संत परंपरा ने सेवा को ही सर्वोच्च धर्म बताया है। सेवा संकल्प सप्ताह इसी शाश्वत मूल्य का समकालीन रूपांतरण था। 21 से 27 फरवरी तक राज्य भर में आयोजित इस सप्ताह ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, युवा जागरण, नारी सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, राष्ट्र प्रथम की भावना और वैदिक ज्ञान दर्शन – इन सभी आयामों को एक सूत्र में पिरोकर समग्र विकास की अवधारणा को जीवंत किया। विकसित भारत की संकल्पना केवल आधारभूत ढांचे, उद्योग और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं हो सकती। यदि विकास को स्थायी और मानवीय बनाना है, तो उसे सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना होगा। लोक भवन की यह पहल इसी समग्र सोच का परिणाम है। सेवा संकल्प सप्ताह का शुभारंभ ***विकसित भारत एवं युवा*** विषय पर केंद्रित कार्यक्रम से हुआ। युवाओं के बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। लोक भवन द्वारा आयोजित निबंध, वाद-विवाद और पोस्टर प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण पर गंभीर चिंतन का अवसर दिया। नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य भी यही है कि शिक्षा नवाचार, शोध, कौशल और चरित्र का विकास करे। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब युवा वर्ग तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों से भी संपन्न हो। सेवा संकल्प सप्ताह ने युवाओं को यह संदेश दिया कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, अपितु प्रत्येक विद्यार्थी का भी दायित्व है। दूसरे दिन रक्तदान शिविर आयोजित की गई। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की सहभागिता से आयोजित इस शिविर में युवाओं, अधिकारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान को ***महादान*** कहा जाता है, क्योंकि यह जीवन का अमूल्य उपहार देता है। यह सेवा का ऐसा रूप है, जिसमें दाता और प्राप्तकर्ता के बीच कोई भेद नहीं रहता, केवल मानवता का संबंध रह जाता है। विकसित समाज वही है, जहाँ नागरिक संकट की घड़ी में एक-दूसरे के लिए आगे आते हैं। रक्तदान शिविर ने असम में स्वैच्छिक सेवा की संस्कृति को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। तीसरे दिन स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण बताया था। उसी विचार को आगे बढ़ाते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में चल रहा स्वच्छ भारत अभियान आज जनांदोलन का रूप ले चुका है। लोक भवन द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में श्रमिक बंधुओं और स्वेच्छासेवियों की सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि स्वच्छता सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ परिवेश ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। विकसित भारत का मार्ग स्वच्छ और अनुशासित नागरिक जीवन से होकर गुजरता है। चौथे दिन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से गुवाहाटी के जहाजघाट प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस शिविर में मरीजों की जांच करने के साथ-साथ उन्हें नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई। इस शिविर से 200 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। इस दौरान माननीय राज्यपाल ने दिव्यांगजनों को व्हिल चेयर और टीबी मरीजों के परिचारकों (केयर-टेकर) को निक्षय मित्र पहल के अंतर्गत फूड बास्केट प्रदान किए गए। आज के समय में नशा युवा पीढ़ी के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। पांचवे दिन इसी विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में युवाओं को संयम, आत्मनियंत्रण और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया गया। खेल, योग, ध्यान और कौशल विकास पर विशेष बल प्रदान किया गया। यह रेखांकित किया गया कि स्वस्थ और अनुशासित युवा ही विकसित भारत की रीढ़ हैं। परिवार, समाज और प्रशासन की संयुक्त प्रयास ही नशा मुक्ति से छुटकारा दिला सकता है। छठे दिन किशोरी सशक्तिकरण को समर्पित रहा। किसी भी समाज की प्रगति का मापदंड उसकी महिलाओं की स्थिति से तय होता है। ***बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ*** जैसे अभियानों ने देश में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी है। किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और आत्मरक्षा पर विशेष बल दिया गया। आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता से युक्त नारी ही सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा जब हमारी बेटियाँ शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन और उद्यमिता के प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। सातवें दिन ***राष्ट्र प्रथम*** विषयक कार्यक्रम ने नागरिकों को यह स्मरण कराया कि व्यक्तिगत हित से ऊपर राष्ट्रहित है। भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के वीर जवानों के त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए युवाओं को कर्तव्यनिष्ठ जीवन का संदेश दिया गया। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों और योजनाओं से संभव नहीं, इसके लिए नागरिक अनुशासन, ईमानदारी और संविधान के प्रति आस्था आवश्यक है। ***राष्ट्र प्रथम*** की भावना विकसित भारत की आधारशिला है। सेवा संकल्प सप्ताह का समापन ***भारतीय परंपरा में वैदिक ज्ञान का महत्व*** विषयक सम्मेलन से हुआ। ऋग्वेद सहित वेदों और उपनिषदों की शिक्षाओं ने जीवन में संतुलन, समरसता और नैतिकता का मार्ग दिखाया है। ***वसुधैव कुटुम्बकम्*** और ***तमसो मा ज्योतिर्गमय*** जैसे मंत्र आज भी वैश्विक संदर्भ में प्रासंगिक हैं। लोक भवन, असम ने सेवा संकल्प सप्ताह के माध्यम से यह सिद्ध किया कि लोककल्याण लोक कल्याण का केंद्र भी बन सकता है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी की प्रेरणा में यह पहल शासन और समाज के बीच सशक्त सेतु का कार्य कर रही है। राज्यपाल का स्पष्ट मत है कि विकसित भारत का निर्माण सेवा से ही संभव है। यह पहल असम में नागरिक चेतना का विस्तार कर रही है। विकसित भारत का लक्ष्य नीतियों, संसाधनों और योजनाओं से आगे बढ़कर नागरिकों की मानसिकता में परिवर्तन की माँग करता है। सेवा संकल्प सप्ताह ने असम में उसी परिवर्तन की शुरुआत की है। यह पहल दर्शाती है कि जब सोच दूरदर्शी हो, संकल्प स्पष्ट हो और समाज सहभागी बने, तब परिवर्तन अवश्यंभावी होता है। असम से उठी यह सेवा की ज्योति विकसित भारत के पथ को आलोकित कर रही है। लोक भवन की यह पहल विकास की गति प्रदान करने के साथ-साथ विरासत को भी आगे बढ़ा रही है। मूलत: सेवा, संस्कार और संकल्प से ही विकसित भारत का वृहद लक्ष्य पूर्ण होगा।

संपादकीय

## तत्पर स्वास्थ्य सेवाएं

**बदलने** की परिपाटी से गुजरेंगे, तो सारे इंतजाम बदलने की फेहरिस्त लंबी होगी। कुछ इसी कतार में खड़े होने की मंशा वर्तमान सरकार दिखा रही है, तो वातावरण में नई स्वीकारोक्तियां पैदा करनी होंगी। मेडिकल साइंस के इंतखाब में यह प्रदेश ऐसे बिंदु चुन रहा है, जहां भविष्य नए सिरे से लिखा जाएगा। यानी उपकरणों के आधार पर प्रदेश के मेडिकल कालेज व प्रमुख अस्पताल तीन हजार करोड़ से सुसज्जित हो रहे हैं। रोबोटिक सर्जरी के इंतजाम के साथ-साथ अन्य मशीनें भी चुनी जा रही हैं, ताकि स्वास्थ्य के संकल्प परिणामों के साथ साबित हों। तस्वीर का यह पहलू काफी उज्ज्वल लगता है, लेकिन चिकित्सा सेवाओं का प्रबंधन इससे कहीं अलग एक ऐसी संस्कृति है, जो चौबीस घंटे तत्पर होनी चाहिए। हमें तत्पर मेडिकल कालेज और टर्शियरी संस्थानों तक विकास की उज्ज्वल तस्वीर चाहिए। विडंबना यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के खाके ने मेडिकल कालेजों की होड़ में स्वास्थ्य सेवाओं के कैडर को आम चिकित्सा से दूर कर दिया, लिहाजा आरंभिक सेवाओं के तात्पर्य को रैफरल सिस्टम बना दिया गया है। हमारा मानना यह है कि चिकित्सा सेवाओं का सबसे बड़ा स्पर्श ग्रामीण परिवेश की डिस्पेंसरी से मिल सकता है। भले ही सीएचसी, पीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की श्रृंखला आज भी मजबूत इरादे जाहिर करती है, लेकिन मेडिकल कालेजों की चर्चाओं ने इनकी क्षमता को दोयम दर्जे पर ला खड़ा किया। प्रदेश की चिकित्सकीय दृष्टि इनके ऊपर एनायत होनी चाहिए। कम से कम जिला व जोनल स्तरीय अस्पतालों के महत्त्व को बढ़ाना होगा। मसलन हमीरपुर के क्षेत्रीय अस्पताल का वजूद मेडिकल कालेज से अलग व स्वतंत्र होना चाहिए। इसी तरह मंडी व धर्मशाला के जोनल अस्पतालों से नेरचौक एम्सी व टीएमसी के निर्माण ने कमजोर कर दिया है, जबकि ये संस्थान आज भी एक बड़े क्षेत्र की आबादी के भरोसे पर खरे उतरते हैं। बेशक पीजीआई और एम्स की तलाश में, वर्तमान सरकार अपने हर मेडिकल कालेज को सुविधाओं से संपन्न कर रही है, लेकिन मशीनरी हो या सिरेंज इसके सही इस्तेमाल के लिए योग्य और प्रतिबद्ध स्टाफ की जरूरत है। निजी और सरकारी अस्पतालों के बीच मिशन, तत्परता, सिस्टम, अनुशासन, प्रतिबद्धता व जवाबदेही का अंतर बढ़ा है, तो इसे घटाने के लिए पीजीआई की कार्य संस्कृति भी अपनानी होगी। प्रदेश की जनता अपनी आर्थिक क्षमता के अनुपात में अब हर क्षेत्र में बेहतर चाहती है और इसका प्रदर्शन भी कर रही है। ऐसे में भविष्य के अस्पतालों का चयन व प्रदर्शन, नए परिचय में सक्षम होना चाहिए। जैसे सीबीएसई पाठ्यक्रम का रास्ता चुनकर हिमाचल के कई स्कूल विशेष दर्जा हासिल कर रहे हैं, उसी तरह कुछ अस्पतालों का चयन करके इन्हें भी अलग मानदंड से परोसा जा सकता है। कुछ क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में एक अलग विंग निजी क्षेत्र के सहयोग से चलाया जा सकता है, जहां से सिटी हास्पिटल की तरह सेवाएं उपलब्ध करवा सकते हैं। यह इसलिए कि निजी अस्पताल आजकल कई सुपरस्पेशियलिस्ट सेवाओं को कंस्लटेंट के अधीन चलाते हैं और सरकारी अस्पताल भी इस पद्धति को अपनाएं तो हर बीमारी का बेहतरीन इलाज कई स्थानों पर उपलब्ध होगा। इतना ही नहीं जिला अस्पतालों की उपयोगिता बढ़ाते हुए इन्हें रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पतालों का दर्जा दिया जा सकता है। हिमाचल की जीवनशैली में आ रहे परिवर्तनों के कारण कई सामान्य रोग भी अब खास सहूलियतें, विशेषज्ञता और डाक्टरी सलाह की दरकार रखते हैं। हिमाचल में हड्डियों, मधुमेह, हृदय रोग और गैस्ट्रो से संबंधित रोग बढ़ रहे हैं। फिजीयोथैरेपी, डेंटल केयर तथा खान-पान से संबंधित सलाह के लिए दक्ष विशेषज्ञ चाहिएं। केवल अस्पताल ही जीने की गारंटी नहीं हैं। हमारे गांव व शहर किस तरह नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण हों, यह भी फिटनेस के लिए जरूरी है। हर गांव में कम से कम एक और शहरी क्षेत्रों में चार-चार नए सामुदायिक मैदान विकसित किए जाएं, तो जीने की रूटीन का एक हिस्सा सार्वजनिक व्यवहार से कुशल रह सकता है। इस दृष्टि से स्कूली परिसरों में स्विमिंग पूल बनाने का सोच कर सीएम एक सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। ऐसे अनेक प्रयास बच्चों से बूढ़ों तक अगर सामान्य फिटनेस के प्रति सचेत करें, तो अस्पतालों की भीड़ छंट सकती है।

हमारा मानना यह है कि चिकित्सा सेवाओं का सबसे बड़ा स्पर्श ग्रामीण परिवेश की डिस्पेंसरी से मिल सकता है। भले ही सीएचसी, पीएचसी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की श्रृंखला आज भी मजबूत इरादे जाहिर करती है, लेकिन मेडिकल कालेजों की चर्चाओं ने इनकी क्षमता को दोयम दर्जे पर ला खड़ा किया। प्रदेश की चिकित्सकीय दृष्टि इनके ऊपर एनायत होनी चाहिए। कम से कम जिला व जोनल स्तरीय अस्पतालों के महत्त्व को बढ़ाना होगा। मसलन हमीरपुर के क्षेत्रीय अस्पताल का वजूद मेडिकल कालेज से अलग व स्वतंत्र होना चाहिए। इसी तरह मंडी व धर्मशाला के जोनल अस्पतालों से नेरचौक एमसी व टीएमसी के निर्माण ने कमजोर कर दिया है, जबकि ये संस्थान आज भी एक बड़े क्षेत्र की आबादी के भरोसे पर खरे उतरते हैं। बेशक पीजीआई और एम्स की तलाश में, वर्तमान सरकार अपने हर मेडिकल कालेज को सुविधाओं से संपन्न कर रही है, लेकिन मशीनरी हो या सिरेंज इसके सही इस्तेमाल के लिए योग्य और प्रतिबद्ध स्टाफ की जरूरत है।

कुछ अलग

## एक रोबो बनाऊंगा

**मैं** जब भी हिंदी फिल्म 'असली नकली' में हसरत जयपुरी का लिखा और मोहम्मद रफी का गाया और देवानंद अभिनीत गीत 'एक बुत बनाऊंगा तेरा और पूजा करूंगा', सुनता हूं, भावविभोर हो उठता हूं। जब मैं छोटा बच्चा था, अस्सी के दशक में बजाज बल्ब के मशहूर विज्ञापन वाले बच्चे की तरह बड़ी शरारत करता था। पर मुझमें इतनी समझ नहीं थी। मैं चाहता तो था रोबो बनाना, लेकिन हर बार गाना सुनते ही बुत बनाने की कल्पना में खो जाता था। तब मुझे यह अंदाजा नहीं था कि बुत और रोबो में क्या फर्क होता है। अब एक सामान्य व्यक्ति के रूप में जन्मे बच्चे और अवतारी पुरुष में पैदा होने वाले में कुछ तो फर्क होगा ही। अगर मैं भी अजैविक (नॉन-बॉयोलॉजिकल) होता तो शायद देश का नेतृत्व करता। वैसे होता तो रोबो भी अजैविक ही है। शायद इसलिए, कुछ लोग अवतारी पर बड़े सेठ का रोबो होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उन्होंने 'सेठ का, सेठ द्वारा और सेठ के लिए' ही रोबो बनने के महान उद्देश्य से अवतार लिया है। अब मेरे जैसे साधारण जीव के रूप में जन्म लेने वाले नराधम कभी अवतारियों की महिमा नहीं समझ सकते। अपनी समझ में तो आज तक राम रहीम, आसाराम, बागेश्वर जैसे स्वनिर्मित संतों की महिमा नहीं आई तो अवतारी की ब्रह्मांडीय महिमा अपने पंद्रह सौ ग्राम के भेजे में क्या खाक घुसेगी। वैसे भी आजादी के इस अमृत काल में दिमाग में भूस या गोबर भरने जैसे कहावतें भी थोथी साबित हो रही हैं। लगता है कि दिमाग का दही, नहीं नहीं गोबर हो गया है। नहीं तो वह इतने सालों से लोगों का उल्लू काट रहे हैं और लोग पता होते हुए भी आराम से लक्ष्मी के वाहन बने हुए हैं।

### सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है

# होली, बदलता समाज और मर्यादा की नई परिभाषाएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है। परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें—ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं। आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं।

**होली** केवल एक त्योहार नहीं, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह रंगों का, उल्लास का, मन की गांठें खोलने का और रिश्तों में जमी धूल झाड़ने का अवसर है। किंतु समय के साथ हर परंपरा नए प्रश्नों के घेरे में आती है। आज जब विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर होली के आयोजन का स्वरूप बदल रहा है, तब समाज का एक वर्ग उत्साहित है तो दूसरा वर्ग चिंतित। यही द्वंद्व इस चर्चा को गंभीर बनाता है। परंपरागत रूप से होली को पारिवारिक और सामुदायिक दायरे में मनाया जाता रहा है। गाँवों में चौपाल, मोहल्लों में आँगन, घरों की छतें—ये सब उत्सव के स्वाभाविक मंच होते थे। रिश्तों की परिभाषाएँ स्पष्ट थीं; देवर-भाभी की हँसी-ठिठोली, ननद-भाभी की चुहल, मित्रों का रंग-अबीर। इन सबमें एक सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक संदर्भ निहित रहता था। त्योहार का आनंद सामूहिक था, पर सीमाएँ भी स्पष्ट थीं। आज दृश्य बदल चुका है। सहशिक्षा वाले विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ साथ पढ़ते हैं, साथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं और साथ ही उत्सव भी मनाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में उत्सव केवल निजी अनुभव नहीं रह गया, वह सार्वजनिक प्रदर्शन का रूप ले लेता है। रंग, संगीत, नृत्य और भीड़—ये सब मिलकर एक ऐसा माहौल रचते हैं जो पारंपरिक होली से भिन्न दिखाई देता है। यही बदलाव समाज के एक हिस्से को असहज करता है। मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि लड़कियाँ होली क्यों खेल रही हैं या लड़के क्यों साथ हैं। असली प्रश्न यह है कि क्या उत्सव की आड़ में मर्यादा और गरिमा सुरक्षित है? क्या स्वतंत्रता के नाम पर अराजकता को स्थान मिल रहा है? क्या भीड़ के उत्साह में व्यक्तिगत सीमाएँ टूट रही हैं? यहाँ "लड़की" और "स्त्री" के बीच का अंतर भी चर्चा में आता है। समाज अक्सर बेटियों को बचपन से ही मर्यादा का पाठ पढ़ाता है, जबकि बेटों को अधिक खुली छूट मिलती रही है। जब बेटियाँ सार्वजनिक रूप से उत्सव में भाग लेती हैं, तो उसे परंपरा से विचलन मान लिया जाता है। पर क्या यह दृष्टिकोण न्यायसंगत है? यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में समान अवसर स्वीकार हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में समान भागीदारी क्यों नहीं? दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि भीड़ का व्यवहार हमेशा संयमित नहीं होता। होली के अवसर पर छेड़छाड़, जबरदस्ती रंग लगाने, अभद्र टिप्पणियों जैसी घटनाएँ वर्षों से समाज की चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में अभिभावकों की आशंका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। उनकी चिंता केवल परंपरा की रक्षा की नहीं, बल्कि बेटियों की सुरक्षा और गरिमा की भी होती है। यहाँ "सहमति" की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आधुनिक समाज में किसी भी सामाजिक संपर्क का आधार स्पष्ट सहमति है। यदि कोई छात्रा या छात्र अपनी इच्छा से, सुरक्षित वातावरण में उत्सव का हिस्सा बनता है, तो उसे केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता कि वह परंपरागत ढाँचे से अलग है। लेकिन यदि आयोजन में सुरक्षा, निगरानी और स्पष्ट आचार-संहिता का अभाव है, तो चिंता स्वाभाविक है। विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका यहाँ निर्णायक हो जाती है। किसी भी सामूहिक आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था, शिकायत तंत्र और स्पष्ट दिशा-निर्देश अनिवार्य होने चाहिए। यह सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है कि कोई भी छात्र या छात्रा असहज महसूस न करे। "नो मींस नो" जैसी स्पष्ट नीति और उसकी सख्ती से पालना उत्सव को स्वस्थ बनाए रख सकती है। समाज को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हम बेटियों को केवल घर की मर्यादा से जोड़कर देखते हैं? क्या हम यह मान बैठे हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर उनका सक्रिय होना स्वभावतः अनुचित है? यदि बेटियाँ शिक्षा, खेल, राजनीति और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, तो सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी उपस्थिति को अलग कसौटी पर क्यों परखा जाए? परंपरा स्थिर नहीं होती; वह समय के साथ बदलती है। जो आज "नया" प्रतीत हो रहा है, वह कल सामान्य बन सकता है। किंतु परिवर्तन का अर्थ मूल्यों का परित्याग नहीं है। मर्यादा, सम्मान और सुरक्षा—ये मूल्य शाश्वत हैं। प्रश्न यह है कि क्या हम इन मूल्यों को नए परिवेश में लागू करने के लिए तैयार हैं? होली का मूल संदेश सामाजिक भेद मिटाना है। यह वह दिन है जब रंग सबको एक कर देते हैं—जाति, वर्ग, आयु, लिंग के भेद पीछे छूट जाते हैं। यदि हम इस मूल भावना को स्वीकार करते हैं, तो हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बेटियाँ और बेटे दोनों समान रूप से इस उत्सव का हिस्सा हैं। फिर भी, उत्सव को प्रदर्शन में बदल देना चिंता का विषय है। सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज की दौड़ में निजी क्षणों का सार्वजनिक प्रदर्शन कई बार गरिमा की सीमा लांघ देता है। युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि आत्मविश्वास और आत्मप्रदर्शन में अंतर होता है। आनंद का अर्थ यह नहीं कि हर क्षण कैमरे के लिए जिया जाए। अभिभावकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। केवल रोक-टोक समाधान नहीं है। संवाद, विश्वास और जागरूकता अधिक प्रभावी साधन हैं। यदि बेटियों को बचपन से ही आत्मसम्मान, आत्मरक्षा और स्पष्ट सीमाएँ तय करने का संस्कार दिया जाए, तो वे किसी भी वातावरण में स्वयं की गरिमा की रक्षा कर सकती हैं। उसी प्रकार बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि उत्सव का आनंद दूसरों की असुविधा पर आधारित नहीं हो सकता। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नई पीढ़ी अलग सामाजिक संरचना में जी रही है। सहशिक्षा, डिजिटल मीडिया और वैश्विक प्रभावों ने उनके अनुभवों को व्यापक बना दिया है। ऐसे में पुरानी परिभाषाओं को ज्यों-का-त्यों लागू करना संभव नहीं। परंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि नई पीढ़ी परंपरा की जड़ों से जुड़ी रहे। संतुलन ही समाधान है। न अंधानुकरण, न अंधविरोध। यदि विश्वविद्यालयों में होली का आयोजन होता है, तो उसे सुरक्षित, गरिमापूर्ण और स्वैच्छिक बनाया जाए। यदि कोई छात्र या छात्रा भाग नहीं लेना चाहता, तो उस पर दबाव न डाला जाए। यदि कोई भाग लेना चाहता है, तो उसकी स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। अंततः प्रश्न केवल होली का नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता का है। क्या हम स्वतंत्रता को संदेह की दृष्टि से देखेंगे, या उसे जिम्मेदारी के साथ स्वीकार करेंगे? क्या हम बेटियों को केवल संरक्षण की वस्तु मानेंगे, या उन्हें सक्षम और सजग नागरिक के रूप में देखेंगे? होली का रंग तभी स्थायी होगा जब उसमें विश्वास और सम्मान की खुशबू हो। परंपरा और आधुनिकता का संघर्ष तब समाप्त होगा जब हम समझेंगे कि दोनों का उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना है। त्योहारों का अर्थ केवल रस्में निभाना नहीं, बल्कि समय के साथ स्वयं को परखना भी है। यदि हम मर्यादा, गरिमा और सहमति को केंद्र में रखकर उत्सव मनाएँ, तो न तो परंपरा आहत होगी और न आधुनिकता। समाज की प्रगति इसी में है कि वह अपनी जड़ों को संभालते हुए नई शाखाओं को फैलने दे। रंगों का यह पर्व हमें यही सिखाता है कि विविधता में भी समरसता संभव है—बस दृष्टिकोण संतुलित होना चाहिए।

देश दुनीया से

## दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

**एशिया** का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार-बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें—यही इस राजनीति का नंगा सच है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या—सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरुआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है—कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में। ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे "मदद" देने का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है—पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में। ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात-निर्भरता—ये सब उसी जाल के हिस्से हैं। इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने-चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं। फिर भी, यह मान लेना कि ग्लोबल साउथ असहाय है, एक बड़ी भूल होगी। समाधान मौजूद हैं, बशर्ते इच्छाशक्ति हो। सबसे पहला कदम है क्षेत्रीय एकजुटता। एशिया के देशों को आपसी विवादों को संवाद और सहयोग से सुलझाना होगा। सीमा विवाद हों या संसाधनों का बँटवारा—इनका हल युद्ध नहीं, बल्कि साझा समझ में है। जब पड़ोसी देश एक-दूसरे के साथ खड़े होंगे, तो बाहरी ताकतों की गुंजाइश अपने-आप कम हो जाएगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक स्वावलंबन। संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हों। केवल कच्चा माल निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धन पर जोर देना होगा। तकनीक का हस्तांतरण जरूरी है, लेकिन उत्पादन क्षमता देश के भीतर विकसित करनी होगी। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है। पर्यावरणीय न्याय भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा है। ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है। ऐसे में वैश्विक मंचों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी और जिम्मेदारी की माँग करना अनिवार्य है। सामाजिक स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। शिक्षा प्रणाली में केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करनी होगी।

आप का नजरीया

## 'डिब्बागोल अर्थव्यवस्था' का युद्ध

**हमने** बताया था कि करीब 1 करोड़ भारतीय मध्य-पूर्व के खाड़ी देशों में बसे हैं। उन्होंने वहीं घर बना लिए हैं, काम-धंधा जमा लिया है और उनके बच्चे भी वहीं पढ़ रहे हैं। अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पि_ हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है। इस अर्थव्यवस्था को समझा जाना चाहिए। यदि अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध लंबा खिंचता है, तो क्या यह अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो जाएगी? कमोबेश बड़ी संख्या में भारतीय विस्थापित होकर नहीं लौटेंगे, लिहाजा युद्ध के दौरान उनकी सुरक्षा का सवाल भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। दो दिन के युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। फिलहाल दाम 75-77 डॉलर प्रति बैरल है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें 100-110 डॉलर तक जा सकती हैं। यह तेल कंपनियों का भी खेल होता है, जिन्हें अपने घाटे कम करने होते हैं। यदि युद्ध अनिश्चित साबित हुआ और कंपनियां अपने तेल टैंकर भेजने को डरती रहीं और तेल दक्षिण अफ्रीका के रूट से भेजना पड़ा, तो उनकी लागत बढ़ेगी। नतीजतन तेल के दाम 150 डॉलर तक भी उछल सकते हैं। भारत बहुत बड़ा देश है, लिहाजा उसकी तेल-गैस की खपत और जरूरत भी व्यापक है, लेकिन भारत के पास तेल भंडार सीमित हो सकते हैं। वेनेजुएला आजकल बहुत कम तेल का उत्पादन कर रहा है और उसका तेल भी भारी है, जिसे रिफाइंड करना मुश्किल और खर्चीला है। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को आधिकारिक तौर पर बंद नहीं किया गया है, लेकिन उसका नियंत्रण फिलहाल ईरान के अधीन है। विभिन्न देशों के 150 से अधिक तेल टैंकर बंदरगाहों पर फंसे हैं। ईरान ने एक कथित अमरीकी तेल टैंकर पर मिसाइल हमला भी किया है। युद्ध के लक्ष्य और उसके पीछे की रणनीति, कूटनीति कुछ भी रही हो, लेकिन यह युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था का डिब्बागोल कर सकता है। मध्य-पूर्व में 3400 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दिल्ली-मुंबई से ही 225 उड़ानें रद्द की गई हैं। भारत के 20,000 से ज्यादा यात्री अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंसे हैं। विमानन अर्थव्यवस्था का मोटा हिस्सा होता है। 1973 से 1979 के बीच जो युद्ध हुए, उनमें भी तेल की कीमतें चार गुना तक उछलीं। नतीजतन दुनिया में महंगाई और मंदी के दौर आए।

अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पि_ हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है।

दृष्टि कोण

## खरपतवार उन्मूलन : एक भूला-बिसरा काम

**हिमाचल** प्रदेश की 80-85 फीसदी आबादी कृषि से जुड़ी है। खेती की जोतें बहुत छोटी होने के कारण खेती के अतिरिक्त पशुपालन और दस्तकारी प्राचीन काल से लोगों की आजीविका का आधार रहा है। पिछले कुछ दशकों से पशुपालन सरकार और वन विभाग की गलत नीतियों के चलते लगातार अनदेखी का शिकार हो रहा है। परिणामस्वरूप बहुत से लोग पशुपालन से तौबा कर चुके हैं। अत्यधिक चीड़ रोपण और लेंटाना आदि खरपतवारों के फैलने से प्रदेश की 2 लाख 35 हजार हेक्टेयर चरागाह और वन भूमियां खरपतवारों की चपेट में आकर अनुत्पादक हो चुकी हैं। खरपतवारों ने केवल स्थानीय घासों को ही नष्ट नहीं किया है, बल्कि प्रदेश की बहुमूल्य जैवविविधता को भी खतरे में डाल दिया है, जिसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। पशुपालन के लिए प्रदेश के किसानों को पंजाब से महंगी तूड़ी या पराली लाकर गुजारा करना पड़ रहा है, जबकि प्रदेश के पास 67 फीसदी वन भूमि है जिसके अधिकांश भाग में चारा उपलब्ध होता था। किन्तु व्यापारिक वानिकी के चलते और खरपतवार के फैलने से प्रदेश चारे के अकाल जैसी स्थिति से जूझ रहा है। हमें यह याद रखना चाहिए कि पहाड़ों में पशुपालन खुले चरागाहों में चुगान करने पर निर्भर था, जिससे पशुपालन की लागत कम आती थी। पशु को धन की संज्ञा दी गई थी। किन्तु अब महंगे चारे ने पशुपालन व्यवसाय को खतरे में डाल दिया है। अन्य सुविधाएं चाहे कितनी भी दी जाएं, जब तक भरपेट सस्ता चारा उपलब्ध नहीं होगा तब तक पशुपालन की हालत दयनीय ही रहेगी। इसका परिणाम बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के झुंडों के रूप में सामने आ रहा है। हमारी योजनाएं टुकड़ों टुकड़ों की समझ के आधार पर बनती हैं, जिससे एक काम बनता है तो दूसरा बिगड़ जाता है। भूमि उपयोग से जुड़ी योजनाएं भूमि पर आधारित सभी आर्थिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की समझ पर समग्र दृष्टि से बनाई जानी चाहिए। प्रदेश की अधिकांश भूमि तो वन विभाग के प्रबंधन में है। इसलिए उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बनती है कि वन, कृषि, पशुपालन, बागवानी और जलवायु प्रबंधन की जरूरतों को देखते हुए सर्वसमावेशी योजना बनाने की वकालत करें। पिछले दिनों तमिलनाडु साकार ने खरपतवार उन्मूलन के प्रति दृढ़ता का परिचय देते हुए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का साहस दिखलाया है, जिससे पशुओं और वन्य प्राणियों को भी पर्याप्त घास मिल सके। तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और आदेश दिया है कि यह कार्य खरपतवार काटने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उखाड़ कर वहां स्थानीय घास लगाकर चरागाह विकसित करके स्थानीय पारिस्थितिकीय संतुलन को स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया को टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय समुदायों को भी जोडने का काम किया गया है। वह मॉडल हिमाचल प्रदेश के लिए भी उपयुक्त हो सकता है। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में इस कार्य के लिए बजट उपलब्ध करवा कर गतिविधि को सहज बनाने के लिए निजी उद्योगों को भी जोड़ा है। लेंटाना से बायो चार बना कर बेकार खरपतवार का उपयोग किया जा रहा है। हिमाचल में भी चीड़ की पत्तियों और लेंटाना जैसी खरपतवारों के पेलेट्स बना कर उपयोग किए जा सकते हैं। हालांकि हिमाचल में इस तरह के कुछ प्रयास हुए भी हैं, किन्तु वे सफल नहीं हो सके क्योंकि उनको सरकार का पूर्ण सहयोग नहीं मिल सका। सरकार ने यह सोचा था कि यह अपने स्तर पर ही एक सफल उद्योग के रूप में स्थापित हो सकेगा, किन्तु बायो चार या ब्रिकेट्स बनाने के बाद जिस बाजार में वह उत्पाद बेचना पड़ता है, उसका भाव लाभदायक नहीं मिलने के कारण वे उद्योग बंद पड़ गए हैं।

# सरकारी और निजी स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी, अवहेलना करने पर होगी सख्त कार्रवाई

**अमृतसर।** जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और अनुशासन को लेकर शिक्षा विभाग ने गंभीर रुख अपनाया है। जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी) राजेश शर्मा द्वारा अमृतसर जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को विद्यार्थियों की सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह पत्र सभी स्कूल मुखियों, मैनेजमेंट कमेटियों और प्रिंसीपलों को भेजा गया है, जिसमें विद्यार्थियों की भलाई के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। आदेशों में कहा गया है कि स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों की सुरक्षा स्कूल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्कूल परिसर में बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मुख्य गेट पर सुरक्षा प्रबंध मजबूत करें और आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का रिकॉर्ड रखें। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि छुट्टी के समय विद्यार्थियों को गेट के बाहर बिना निगरानी के न जाने दिया जाए। छोटे बच्चों को केवल उनके माता-पिता को ही सौंपा जाए। यदि कोई विद्यार्थी स्वयं घर जाता है तो उसके लिए अभिभावकों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी। स्कूल बसों और परिवहन व्यवस्था संबंधी भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक स्कूल यह सुनिश्चित करे कि बसों में सुरक्षा मानकों का पालन हो, ड्राइवर और कंडक्टर का पूरा सत्यापन किया गया हो व वाहनों की समय-समय पर तकनीकी जांच करवाई जाए। बच्चों की सुरक्षा के लिए बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और जीपीएस प्रणाली लागू करने की भी सिफारिश की गई है। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि स्कूल परिसर में किसी भी प्रकार की मारपीट, बदमाशी या दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई घटना होती है तो उसकी तुरंत सूचना अभिभावकों और संबंधित अधिकारियों को दी जाए। स्कूल प्रबंधन को विद्यार्थियों को अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति समय-समय पर जागरूक करने के लिए भी कहा गया है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि किसी स्कूल द्वारा इन आदेशों की अवहेलना की गई तो संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्कूलों को अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने और समय-समय पर मॉक ड्रिल करवाने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए शिक्षकों और स्टाफ को ट्रेनिंग करने पर भी जोर दिया गया है। स्कूलों में स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी स्कूल प्रमुखों से अपील की है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों की संयुक्त जिम्मेदारी है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ सुरक्षित माहौल भी मिले। पत्र जारी होने के बाद जिले के स्कूलों में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा शुरू हो गई है। कई स्कूलों ने तुरंत प्रभाव से गेट प्रबंधन मजबूत कर दिया है और विजिटर रजिस्टर अनिवार्य कर दिया है। अभिभावकों ने भी इस कदम की सराहना की है क्योंकि यह उनके बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

# घबराए लोग, पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें, ड्रम लेकर पहुंचे तेल लेने

**गुरदासपुर।** इजराइल और अमेरिका द्वारा मिलकर ईरान के खिलाफ जंग छेड़ दी गई है। इसका असर गुरदासपुर जिले के पेट्रोल पंपों पर देखने को मिला। गत दिन सोशल मीडिया पर ये खबरें तेजी से आ रही थी कि ईरान द्वारा समुद्र के रास्ते जो कच्चा तेल भारत सहित कई देशों में आता है उन जहाजों पर हमला किया जा रहा है। इससे लोगों में यह बात फैल गई कि शायद आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल मिलना बंद न हो जाए या कहीं उनके दाम न बढ़ जाएं। इसे लेकर आज धारीवाल में पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी लाइनें देखी गईं। अगर अमृतसर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर स्थित एक पैट्रोल पंप की बात करें तो यहां लोगों का बड़ा इकट्ठा कतारों में दाखाई दिया। यहां तक की लोग जहां अपने वाहनों में पेट्रोल और डीजल डलवाते दिखे वहीं कई लोग ड्रम, कैन और बोतलें तक लेकर आ रए हुए थे। यहां तक की शाह पेट्रोल पंप पर तेल ही खत्म हो गया। बातचीत के दौरान लोगों ने कहा कि खबरें सुनकर ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की किल्लत हो सकती है। जब पंप के मैनेजर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनके पास स्टॉक की कोई कमी नहीं है, लोग घबराएं नहीं, उनके पास कई दिनों का स्टॉक है और उनके पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की सप्लाई लगजतार जारी रहेगी।

# गोरखनाथ मंदिर में 150 लोगों से मिले योगी किडनी मरीज को भी दिया इलाज का भरोसा

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने आए लोगों को आश्वस्त किया कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं। सरकार उनको भरपूर आर्थिक सहायता देगी। मुख्यमंत्री ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। 150 होलिकोत्सव मनाने के लिए सोमवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों के पास जाकर, एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। समस्याओं के निस्तारण के लिए लोगों को आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं, ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में एक व्यक्ति ने किडनी की बीमारी में धन की कमी आड़े आने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। कार्ड न होना बताए जाने पर उन्होंने कहा कि चिंता मत करिए। इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद मिलेगी। अन्य कई लोग भी गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दी जाएगी।

# राजस्थान पंचायत चुनाव : भाजपा की तैयारी पूरी, तारीखों की घोषणा का इंतजार, सत्ता और संगठन ने संभाली कमान

**जयपुर।** राजस्थान में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति लगभग तैयार कर ली है। अब पार्टी राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने का इंतजार कर रही है। ग्रामीण सरकार के गठन को पार्टी सत्ता और संगठन दोनों के लिए अहम मान रही है, इसलिए तैयारी पहले से शुरू कर दी गई थी। सरकार स्तर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में विभिन्न संभागों के नेताओं के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा पंचायत चुनावों की रणनीति तय करना था। दूसरी ओर संगठन स्तर पर जिला परिषद चुनाव समिति और पंचायत चुनाव समिति के नाम भी तय कर लिए गए हैं। राजस्थान में पंचायत चुनाव से पहले अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है और संभवत: अगले महीने चुनाव होंगे। जैसे ही राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा, पार्टी इन समितियों के नाम सार्वजनिक कर देगी। इसके साथ ही चुनाव प्रभारियों की सूची भी जारी की जाएगी, ताकि जमीनी स्तर पर चुनावी गतिविधियां तेज की जा सकें। पार्टी ने पंचायत चुनाव की जिम्मेदारी प्रदेश के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को दी है। इनमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी सहित अन्य प्रमुख चेहरे शामिल हैं। परिसीमन और पुनर्गठन से जुड़ी सिफारिशों को तैयार करने में भी इन नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पार्टी ने इस प्रक्रिया में यह ध्यान रखा कि संगठनात्मक ढांचे और नए परिसीमन का लाभ चुनावी रणनीति में मिल सके। भाजपा ने पंचायत चुनावों की तैयारी के तहत विधानसभा स्तर पर विस्तारक भी नियुक्त किए थे। इन विस्तारकों को अन्य कार्यक्रमों की जिम्मेदारी के साथ-साथ पंचायत चुनाव से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखने का कार्य दिया गया। इनके माध्यम से पार्टी ने जमीनी फीडबैक जुटाने और मतदाताओं की नब्ज समझने का प्रयास किया। इसी आधार पर आगे की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। प्रदेश में 4.02 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

41 जिला परिषद, 457 पंचायत समितियां और 14 हजार 403 ग्राम पंचायतों में अगले महीने चुनाव कराए जाने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में 12 जिला परिषद और 130 पंचायत समितियों का कार्यकाल अभी शेष है, जो सितंबर, अक्तूबर और दिसंबर 2026 तक पूरा होगा। 5 सितंबर तक 6 जिला परिषद और 78 पंचायत समितियों का कार्यकाल समाप्त होगा। 29 अक्तूबर तक 2 जिला परिषद और 22 पंचायत समितियों का कार्यकाल खत्म होगा, जबकि 22 दिसंबर तक 4 जिला परिषद और 30 पंचायत समितियों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। पार्टी और संगठन दोनों स्तर पर सक्रियता को देखते हुए संकेत हैं कि चुनावी बिगुल बजते ही ग्रामीण राजनीति में सरगर्मी तेज हो जाएगी।

# पटना में कुर्ताफाड़ तो बनगांव में अर्थी निकाल कर मनाई होली

**पटना।** 1999 के आसपास की बात है। उस वक्त की होली की बात ही कुछ और थी। चेहरे तो ऐसे पुते होते थे कि घरवाले भी पहचान नहीं पाते थे कि भीड़ में बेटा कौन है। कुर्ताफाड़ तो कहने को होती थी, कुर्ता क्या, पैंट-शर्ट सब फाड़ दी जाती थी। ऐसा लगता था सड़कों पर ढेर सारे टार्जन घूम रहे हैं, हुआं-हुआं करते हुए। और तो और किसी ने गलती से कह दिया कि होली है तो जवाब दिया जाता था... अच्छा, हमें नहीं पता था। उसके बाद तो अगले को पकड़ कर गोबर के ढेर में बिठा दिया जाता था। बिहार की होली कुछ है ही ऐसी। पटना की कुर्ताफाड़ होली आज भी प्रसिद्ध है। सुबह-सुबह मुंह धोया, शरीर पर ढेर सारा सरसों का तेल मल लिया। इसके बाद लोगों की भीड़ निकल पड़ती है सड़कों पर। खाना-पीना बाद में हो जाएगा, पहले रंग लगना, लगाना और एक दूसरे के कपड़े फाड़ना जरूरी है। ये भी एक परंपरा ही है जो न जाने कितने दशकों से चली आ रही है। इसके बाद ज्यादातर लोगों की टोली या तो डाकबंगला चौराहा, बोरिंग रोड चौराहा या फिर मीठापुर बाजार के आसपास जुट जाती है। फिर तो पटना में धमाल चालू। पटना से सटे गांव-देहातों में तो बकायदा नौजवानों की टोली डीजे बजाते हुए पूरा गांव घूम जाती है। बिहार के सहरसा जिले में बनगांव की होली भी उतनी ही मशहूर है। यहां तो होली के दिन एक अर्थी निकाली जाती है। हालांकि इस अर्थी पर सिर्फ एक पुतला होता है। ये भी एक परंपरा ही है। ये अर्थी उस व्यक्ति के नाम की होती है जो बगैर किसी ठोस वजह के होली मनाने से परहेज करते हैं। इसके जरिए उनका मजाक बनाया जाता है। हालांकि बनगांव की घुमौर होली के पीछे सन् 1810 की एक परंपरा है जो महान संत-योगी लक्ष्मीनाथ गोसाई की बनाई हुई है। इसके जरिए उन्होंने धार्मिक दीवारों को तोड़ सामाजिक समरसता का एक नया अध्याय ही लिख दिया था। बनगांव की होली में हिंदुओं के साथ मुस्लिम भी शामिल होते हैं। बनगांव की होली इतनी प्रसिद्ध है कि इसे बिहार सरकार का कला संस्कृति एवं युवा विभाग आधिकारिक दर्जा तक दे चुका है। इसी वजह से सरकार भी इसे बनगांव होली महोत्सव के रूप में आधिकारिक तौर पर मनाती है। इस दिन बनगांव का एक-एक बच्चे से लेकर बूढ़े तक एक दूसरे के कंधों पर सवाल होकर घुमौर होली मनाते हैं। घुमौर शब्द घूमने से बना है। यानी कंधों पर घूमिए और एक दूसरे पर रंगों की बरसात करते रहिए। बिहार में होली की बात हो और गया जिले की झुमटा होली की बात न चले, भला ये कैसे संभव है। गया जिले में तो झुमटा के बिना होली ही अधूरी मानी जाती है। यहां सुबह से ही युवाओं की टोली ठेले पर एक ड्रम रख लेती है। इस ड्रम में रंग भरे होते हैं। इसके बाद ये टोली यानी झुमटा गया की सड़कों पर निकल चलता है। इसके बाद रास्ते में जो भी दिखता है, उसे रंगों से सराबोर कर दिया जाता है। गया जिले में झुमटा का ये जश्न होली के अगले दिन भी जारी रहता है। हालांकि इस दौरान पूरे बिहार में पुलिस की टीम होली पर किसी भी अनहोनी को टालने के लिए सड़कों पर नजर आती है। बिहार में होली का पर्व एक दिन नहीं बल्कि दो दिन मनाया जाता है। होली के दिन सबको रंग लगा लें और फिर सबके घर घूम लें, ये भी संभव नहीं है। ऐसे में लोग दूसरे दिन बसियौरा यानी बासी होली भी मनाते हैं। उस दिन के पकवान (ताजे और बासी दोनों) जैसे पुआ, पूड़ी और दहीबड़े के साथ लोग मेहमानों का स्वागत करते हैं। एक राउंड की होली और चलती है। फिर जाकर बिहार के लोगों की होली पूरी होती है। माने बसियौरा नहीं मनाया तो क्या होली मनाई।

# राजस्थान पुलिस का लॉरेंस और गोदारा गैंग के नेटवर्क पर प्रहार, होली पर 214 बदमाश दबोचे

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस ने प्रदेश को भयमुक्त बनाने और संगठित अपराध की कमर तोड़ने के लिए रविवार तड़के एक विशाल घेराबंदी की। इस बड़े ऑपरेशन के तहत 19 जिलों में एक साथ दबिश देकर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग सहित अन्य गिरोहों के 214 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन अपराधियों के कब्जे से अवैध हथियारों का जखीरा और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इस मिशन का मुख्य लक्ष्य रंगदारी और अवैध हथियार रखने वाले गिरोहों के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ना था। इस पूरे मिशन की कमान डीजी आनंद श्रीवास्तव को सौंपी गई। एडीजी दिनेश एमएन और डीआईजी योगेश यादव के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने ऑपरेशन का ब्लूप्रिंट तैयार किया। ग्राउंड लेवल पर एसपी ज्ञान चंद यादव और उनकी अनुभवी टीम ने मोर्चा संभाला, जबकि सभी रेंज आईजी ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर *जीरो टॉलरेंस* नीति के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने इस विशेष ऑपरेशन के लिए कुल 1276 अपराधियों की सूची तैयार की थी। रोहित गोदारा और लॉरेंस गैंग से संबंधित 383 अपराधी टारगेट पर थे। स्थानीय गैंग के 534 और अन्य श्रेणियों के 359 इनामी व वांछित अपराधी चिन्हित किए गए थे। पुलिस की कार्रवाई में न केवल अपराधी पकड़े गए, बल्कि

बड़ी मात्रा में अवैध सामान भी जब्त किया गया। आर्म्स एक्ट के तहत 30 मामले दर्ज कर 17 पिस्टल, 3 देशी कट्टे, 14 कारतूस और 12 चाकू-छुरे बरामद किए गए। विशेष रूप से पंजाब के बंबीहा गैंग से 11 पिस्टल और 12 मैगजीन मिली हैं। एनडीपीएस एक्ट के 34 मामलों में 1.166 किलो हेरोइन, स्मैक, एमडी, गांजा और डोडा पोस्त जब्त किया गया। झुंझुनूं जिले में पुलिस ने खेत पर छापेमारी कर 8,153 अफीम के पौधे बरामद कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। राजस्थान पुलिस की इस *सर्जिकल स्ट्राइक* से संगठित गिरोहों के बीच हड़कंप मच गया है। रविवार तड़के हुई इस अचानक कार्रवाई ने अपराधियों के सुरक्षित ठिकानों और उनके सूचना तंत्र को ध्वस्त कर दिया है। डीजीपी के अनुसार, ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी ताकि राज्य में आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

# कहीं लोकगीतों पर थिरके मंत्री, तो कहीं पूर्व राजपरिवार ने निभाई परंपरा

**जयपुर।** राजस्थान के कोने-कोने से होली की ऐसी तस्वीरें आ रही हैं, जो यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आपसी प्रेम को दर्शाती हैं। जयपुर के आराध्य देव गोविंददेवजी के दरबार से लेकर कोटा की गलियों तक, हर तरफ गुलाल और लोकगीतों की गूंज सुनाई दे रही है। प्रदेश के दिग्गज नेता और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तित्व भी आज आम जन के बीच होली मनाते नजर आए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में आम लोगों के साथ धुलंडी मनाई। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया अपने पैतृक शहर उदयपुर पहुंचे। उन्होंने पुराने शहर की संकरी गलियों में आम जनता के बीच जाकर लोगों को रंग लगाया। वन मंत्री संजय शर्मा का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। कंपनी बाग में आयोजित होली उत्सव के दौरान वे राजस्थानी गीतों की धुन पर जमकर थिरके। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कोटा के स्वामी विवेकानंद नगर स्कूल स्थित छात्रावास में बच्चों के साथ होली खेली और उन्हें मिठाई खिलाई। जयपुर के ऐतिहासिक खासा कोठी होटल में मंगलवार को *ग्लोबल होली* का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जहां 24 देशों के हजारों विदेशी पर्यटक राजस्थानी फागुनी रंग में पूरी तरह सराबोर नजर आए। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस भव्य उत्सव में करीब 300 किलो प्राकृतिक गुलाल का उपयोग किया गया, जिसमें सात समंदर पार से आए मेहमानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जमकर हुड़दंग मचाया। भले ही पूरे प्रदेश में आज धुलंडी की धूम है, लेकिन मुख्यमंत्री आवास पर होली का आधिकारिक कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया जाएगा। तय कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मुख्यमंत्री आम जन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और होली की शुभकामनाएं स्वीकार करेंगे। गुलाबी नगरी में होली का आगाज बेहद खास रहा। सोमवार रात करीब 2 बजे तक पूरे शहर में होलिका दहन का सिलसिला चला। जयपुर के सिटी पैलेस में शुभ मुहूर्त के अनुसार रात 1 बजकर 26 मिनट पर होलिका दहन किया गया। पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह ने होलिका दहन की रस्म निभाई। जयपुरवासियों ने परंपरा का निर्वहन करते हुए सिटी पैलेस की *राजकीय होली* से अग्नि ली और अपने-अपने मोहल्लों की होलिका प्रज्ज्वलित की। मंगलवार सुबह से ही गोविंददेवजी मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु लोकगीतों और भजनों की धुन पर नाचते-गाते रंगों के उत्सव में डूबे नजर आए।

# गोरखपुर : भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा में शामिल हुए सीएम योगी, जमकर उड़ाए अबीर-गुलाल

**नई दिल्ली/गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानवमात्र के जीवन में मर्यादा, जीवंतता भक्ति और समरसता ही सनातन धर्म की ताकत है। इस परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के लोगों को गर्व की अनुभूति करनी चाहिए कि मर्यादा, शाश्वत चेतना की जीवंतता, भक्ति का उल्लास और समरसता का भान कराने वाले सभी प्रमुख विरासत स्थल इस प्रदेश में हैं। सीएम योगी बुधवार को होली के पावन महापर्व पर घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली *भगवान नृसिंहकी रंगभरी शोभायात्रा* के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सभी नागरिकों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत का संरक्षण कैसे होना चाहिए, यह आज भारत एहसास कर रहा है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, महाकाल में महाकाल लोकधाम, केदारपुरी में भगवान केदारनाथ का भव्य धाम, बद्रीनाथ में भव्य स्वरूप लेता भगवान बद्री विशाल का धाम, सोमनाथ धाम, जगन्नाथ धाम, रामेश्वरपुरी के भव्य स्वरूप का आनंद भारत को अपने विरासत पर गौरव की अनुभूति कराता है। यह इसलिए संभव हो सका है कि भारत के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यशस्वी नेतृत्व है। इस नेतृत्व में विरासत का संरक्षण हो रहा है साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना भी साकार हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भारत की आत्मा है। यहां भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या अयोध्या हमें जीवन में मर्यादा का एहसास कराती है। महादेव की नगरी काशी जीवन की शाश्वत चेतना अर्थात जीवंतता का प्रतीक है। भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा वृंदावन भक्ति के आनंद की धरा है। जबकि प्रयागराज में मां गंगा यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी समरसता का एहसास कराती है जहां बिना भेदभाव समाज के हर एक तबके के लोग आस्था की डुबकी लगाते हैं। यह उन लोगों के लिए एक सबक भी है जो प्रदेश में जातिवाद, भेदभाव और छुआछूत का शोर मचाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ क्षुद्र बुद्धि के लोगों ने समाज को कमजोर करने के लिए इस प्रकार के स्वांग रचे थे। हमें भारत को मजबूत बनाने के लिए कार्य करने

हैं, विकसित भारत की संकल्पना के साथ खुद को जोड़ना है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाना है। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष होली का पर्व हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। यह ऐसा संगठन है जिसके सानिध्य में लाखों कार्यकर्ता भारत के सनातन धर्म की परंपरा और भारत की एकता व अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन होम किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में अनुशासन का महत्व क्या होता है, यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखा जा सकता है। विजयादशमी से प्रारंभ हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन के कार्यक्रमों में, सामाजिक समरसता को मजबूती प्रदान करने के लिए हिंदू सम्मेलनों के अनुशासन की झलक सबने देखी। इन कार्यक्रमों में समाज का हर एक तबका भागीदार बना लेकिन कहीं भी कोई और व्यवस्था नहीं हुई। कहीं कानून व्यवस्था के लिए संकट नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता को परम वैभव पर पहुंचने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे यशस्वी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सभी भारतवासियों को गौरव की अनुभूति होती है। सीएम योगी ने कहा कि होली का यह पर्व हम भारत में ऐसे समय में आयोजित कर रहे हैं जब पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अशांति और अराजकता वातावरण है। पर, भारत पीएम मोदी के यशस्वी नेतृत्व में उत्साह व उमंग के साथ इस पर्व का आनंद ले रहा है। कहीं कोई भय नहीं, कहीं अराजकता नहीं, कहीं अविश्वास नहीं। हरेक सत्यमेव जयते का भाव और जहां धर्म वहीं जय की गूंज। यह भाव हमारा सनातन वाक्य है और इसकी गूंज सर्वत्र हमें सुनाई दे रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा कि 81 वर्ष पूर्व नानाजी देशमुख द्वारा गोरखपुर में शुरू की गई इस रंगभरी शोभायात्रा ने पूरे देश को व्यापक संदेश दिया है। इसमें गोरक्षपीठ की भी महत्वपूर्ण भागीदारी और भूमिका रही है। न्होंने कहा कि गोरक्षपीठ समरसता, आत्मीयता, राष्ट्रीय यता और राष्ट्र भक्ति का प्रतीक है। रमेश जी ने कहा कि गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश का तीव्र विकास हो रहा है और इसमें गोरखपुर का विकास विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मंच से लोगों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएंदेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान नृसिंह का पूजन कर विधि विधान से उनकी आरती उतारी। उन्हें नारियल, गुझिया के साथ फूल, रंग, अबीर, गुलाल अर्पित किया। भगवान नृसिंह की पूजा करने के बाद सीएम योगी पूरी तरह होलीयाना मूड में आ गए। उन्होंने लोगों के ऊपर जमकर फूल की पंखड़ियां, अबीर, गुलाल पंखुड़ियां उड़ाईं। देखते ही देखते योगी समेत समूचा जनमानस रंगों में सराबोर हो गया। इस दौरान जय श्रीराम और हर हर महादेव के नारों के बीच उत्सवी उमंग व उल्लास आसमान पर था। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास, अयोध्या से आए रामबालक दास, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल, आत्मा सिंह, दक्षिण भाग संघ चालक ओम जालान, अरुण प्रकाश मल्ल, होलिका उत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज जालान आदि भी मौजूद रहे।

# नवीनतम एंड्राएड टैबलेट हानरमैजिकपाड 4 पेश

नई दिल्ली

एमडब्ल्यूसी 2026 के ग्लोबल शोकेस से पहले आनर ने अपना नवीनतम एंड्राएड टैबलेट हानरमैजिकपाड 4 लांच किया है। अल्ट्रा-थिन डिजाइन के साथ इसमें डिस्प्ले और परफार्मेंस दोनों में बड़े अपग्रेड दिए गए हैं। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे पतला टैबलेट है, जिसकी मोटाई मात्र 4.8 एमएम है। टैबलेट में ओलेड स्क्रीन दी गई है, जो कंटेंट स्ट्रीमिंग और गेमिंग को बेहद स्मूद बनाती है। इसका 165 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट विजुअल्स को और भी फ्लुइड बना देता है। पतले फ्रेम के बावजूद इसमें 10,100 एमएएच की बैटरी और हैवी रैम का काम्बिनेशन दिया गया है। डिवाइस दो वैरिएंट 12जीबी+256जीबी और 16जीबी+512जीबी में लान्च किया गया है।

हानर मैजिकपाड 4 में 12.3 इंच का ओलेड डिस्प्ले है, जिसका रिजाल्यूशन 3000म1920 पिक्सेल और पीक एचडीआर ब्राइटनेस 2400 निट्स है। मल्टी-लेवल एडाप्टिव रिफ्रेश टेक्नोलाजी के साथ यह 165 हर्ट्ज तक सपोर्ट करता है, जिससे स्क्रालिंग, गेमिंग और वीडियो प्लेबैक और भी बेहतर हो जाता है। टैबलेट का वजन लगभग 450 ग्राम है और इसके आयाम 273.4म178.8 एमएम हैं, जो इसे पोर्टेबल वायईटी प्रीमियम फील देते हैं। परफार्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 चिपसेट दिया गया है, जो 16जीबी तक रैम और 512जीबी तक स्टोरेज के साथ आता है। यह एंड्राएड 16 आधारित मैजिकओएस 10 पर काम करता है। बैटरी 10,100 एमएएच की है और 66वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है।

## एआई अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता............लेकिन उन कारणों से जिनकी चर्चा नहीं

**नई दिल्ली।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर वैश्विक उत्साह के बीच एक नया तर्क सामने आया है कि एआई अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन उन कारणों से नहीं जिनकी आमतौर पर चर्चा होती रहती है। कई विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा स्थिति 1929 की आर्थिक मंदी से पहले के दौर से मिलती-जुलती है, जब नई तकनीक को लेकर अत्यधिक निवेश ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी थी। 1929 के संकट से पहले शेयर बाजार में भारी सट्टेबाजी हुई थी। तब उस दौर में रेडियो जैसी नई तकनीक को क्रांतिकारी माना गया, लेकिन उसके कारोबारी माडल को लेकर स्पष्टता नहीं थी। नतीजतन, निवेशकों ने बड़ी मात्रा में पूंजी झोंक दी और शेयर कीमतें वास्तविक मूल्य से कहीं अधिक बढ़ गईं। आलोचकों का तर्क है कि आज एआई, विशेषकर बड़े भाषा माडल (एलएलएम), उसी तरह के हाइप साइकिल का हिस्सा बन चुके हैं। उनका कहना है कि एआई एक परिवर्तनकारी तकनीक है, लेकिन एआई को लेकर टिकाऊ और लाभदायक बनाने का स्पष्ट आर्थिक माडल अभी तैयार नहीं हुआ है।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर व्यापार सहायता डेस्क की स्थापना की

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में हालिया टकराव के बीच भारतीय सरकार ने व्यापार प्रभावितों के लिए बहु-मंत्रालयी सहायता डेस्क स्थापित किया है। इसका नेतृत्व विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। डेस्क का उद्देश्य निर्यातकों और आयातकों को माल और वित्तीय लेनदेन में उत्पन्न होने वाली दिक्कतों से निपटने में मदद करना है। निर्यातकों ने बताया कि पश्चिम एशिया जाने वाला माल मुंद्रा और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट पर फंसा हुआ है, लगभग 3,000 कंटेनर प्रभावित हैं। शिपिंग कंपनियां सुरक्षा कारणों से फिलहाल नए आर्डर नहीं ले रही हैं। सीएसएलए के अनुसार, अमेरिका को सामान केप आफ गुड होप मार्ग से भेजा जाएगा, लेकिन पश्चिम एशिया के लिए शिपमेंट रोक दिया गया है। बंदरगाह अतिरिक्त जगह प्रदान करने और भीड़भाड़ कम करने के प्रयास कर रहे हैं। शनिवार को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला और अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने यूएई, बहरीन, कुवैत और कतर सहित खाड़ी देशों को निशाना बनाया। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया, जो व्यापार और माल की आवाजाही पर प्रत्यक्ष असर डाल रहा है। वाणिज्य विभाग की बैठक में कार्गो आवाजाही, अनावश्यक देरी कम करने और कागजी प्रक्रिया सरल बनाने पर चर्चा हुई। हितधारकों के बीच मार्ग और क्षमता निगरानी, अधिभार और उपकरण उपलब्धता पर वास्तविक समय समन्वय बनाए रखने पर सहमति बनी। साथ ही जल्दी खराब होने वाले वस्त्र, दवाइयां और उच्च-मूल्य वाले उत्पादों के निर्यात के लिए विशेष तंत्र विकसित करने पर जोर दिया गया। इस पहल से सरकार का मकसद व्यापार में व्यवधान को कम करना और निर्यातकों तथा आयातकों को संकट की स्थिति में सहायता देना है।

### साल 2027 में लान्च होगी इलेक्ट्रिक एसयूवी 0 अल्फा

**नई दिल्ली।** भारत के लिए होंडा कंपनी ने अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी 0 अल्फा की पहली आधिकारिक झलक जारी कर दी है। जापान मोबिलिटी शो में प्रदर्शित की गई यह कार होंडा की नई 0 सीरीज का पहला माडल होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि होंडा इसे आयात नहीं करेगी, बल्कि भारत में ही मैन्युफैक्चर करेगी, जिससे इसकी कीमत प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इसका प्रोडक्शन माडल वर्ष 2027 तक भारतीय सड़कों पर नजर आएगा। डिजाइन की बात करें तो 0 अल्फा बेहद फ्यूचरिस्टिक और मस्कुलर लुक लिए हुए है। इसके फ्रंट में वर्टिकल एलईडी लाइट्स और बोनट पर लगी एक पतली स्ट्रिप इसे आधुनिक अपील देती है। आगे-पीछे झुके हुए शीशे कार को स्पोर्टी स्टांस प्रदान करते हैं। साइड प्रोफाइल में 19-इंच एयरोडायनामिक अलाय व्हील्स और बाडी क्लैडिंग इसे दमदार एसयूवी कैरेक्टर देते हैं। पीछे की ओर यू-शेप एलईडी टेल लैंप्स और बंपर लाइट्स इसे अलग पहचान देते हैं।

### महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का नया रास्ता, एलआईसी की बीमा सखी योजना

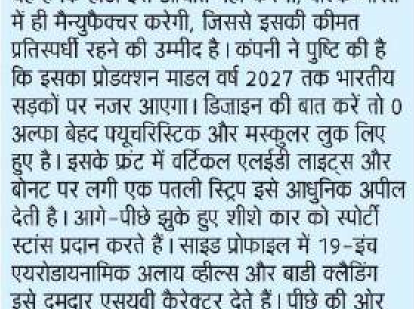


**नई दिल्ली।** देश की दिग्गज बीमा कंपनी लाइफ इंस्योरेंस आफ इंडिया (एलआईसी) ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बीमा सखी योजना शुरू की है। इस पहल का मकसद उन महिलाओं को रोजगार का अवसर देना है, जो कम पढ़ी-लिखी हैं या घरेलू जिम्मेदारियों के साथ अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं। योजना के तहत महिलाओं को एलआईसी एजेंट बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि प्रशिक्षण अवधि में भी महिलाओं को निश्चित मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा। पहले वर्ष में 7,000 रुपये प्रति माह, दूसरे वर्ष में 6,000 रुपये और तीसरे वर्ष में 5,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। यह आर्थिक सहयोग प्रशिक्षण के दौरान आत्मविश्वास बढ़ाने और शुरुआती जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागी प्रोफेशनल एजेंट के रूप में कार्य कर सकेंगी।

# शानदार सेल्फी और रील बनाने वालों के लिए तीन विकल्प मौजूद

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में शानदार सेल्फी और रील बनाने वालों के लिए तीन बेहतरीन विकल्प मौजूद हैं। इस लिस्ट में वीवो, मोटोरोला और ओप्पो के माडल शामिल हैं। इन स्मार्टफोन्स में 50 मेगापिक्सल का हाई-रेजाल्यूशन फ्रंट कैमरा मिलता है, जो लो-लाइट से लेकर डे-लाइट तक हर सिचुएशन में बेहतरीन क्वालिटी देता है। खास बात यह है कि इनमें शक्तिशाली 200एमपी तक के रियर कैमरे, प्रीमियम डिस्प्ले और दमदार बैटरी के साथ हाई-परफार्मेंस प्रोसेसर भी उपलब्ध है।

वीवो वी60ई 5जी : अमेजन पर 33,999 रुपये में उपलब्ध 8जीबी प्लस256जीबी वेरिएंट वाला यह फोन 50एमपी सेल्फी कैमरे के साथ आता है। रियर में 200एमपी मेन लेंस और 8एमपी सेकेंडरी कैमरा दिया गया है। इसका 6.77 इंच का क्वाड-कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। फोन में 6500 एमएएच बैटरी है, जो 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। आईपीपी68 प्लस आईपी69 रेटिंग के साथ यह पूरी तरह वाटरप्रूफ भी है। कंपनी ने इसमें कई लेटेस्ट एआई फीचर्स भी शामिल किए हैं। मोटोरोला एग्ज 60 प्रो 5जी: 12जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाला यह फोन अमेजन पर 32,685 रुपये में मिल रहा है। इसमें भी सेल्फी और रील्स के लिए 50एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। बैक में 50एमपी मेन, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 10एमपी का 10गुणा टेलीफोटो कैमरा मिलता है।

फोन में 6.7 इंच का पोलेड डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है। इसे पावर देती है 6000एमएएच बैटरी, जो 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसी तरह ओप्पो रेनो 15 प्रो मिनी 5जी, 12जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत अमेजन पर 59,999 रुपये है। इसमें 50एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है। रियर कैमरा सेटअप में 200एमपी मेन, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 50एमपी पेरिस्कोप लेंस शामिल है। फोन 6200 एमएएच बैटरी के साथ आता है, जो 80डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करता है। यह डिवाइस एंड्राएड 16 आधारित कलरओएस 16 पर काम करता है।

## शाओमी 17 सीरीज भारत सहित ग्लोबल मार्केट में लान्च

**नई दिल्ली।** भारत सहित ग्लोबल मार्केट में शाओमी ने अपनी बहुप्रतीक्षित शाओमी 17 सीरीज को लान्च कर दिया है। इसमें शाओमी 17 और शाओमी 17 अल्ट्रा दो माडल शामिल हैं, जिनमें क्वालकाम का नवीनतम स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट दिया गया है। दोनों स्मार्टफोन्स में लाइका द्वारा ट्यून्ड उन्नत कैमरा सिस्टम मौजूद है, जबकि अल्ट्रा माडल 200 एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस जैसे प्रीमियम फीचर्स के साथ आता है। कंपनी ने इनमें वायफाय 7 और ब्ल्यूटूथ 5.4 सपोर्ट भी दिया है। शाओमी 17 का 12जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज वाला माडल लगभग 1,07,449 की कीमत में पेश किया गया है। यह अल्पाइन पिंक, ब्लेक, आईसीई ब्ल्यू और वेंचर ग्रीन जैसे चार रंगों में उपलब्ध होगा। शाओमी 17 अल्ट्रा की कीमत लगभग रुपए 1,61,264 है, जिसमें 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज मिलता है। यह ब्लैक, स्टारलीट ग्रीन और व्हाइट कलर में आता है। कंपनी ने अल्ट्रा फोटोग्राफी कीट और फोटोग्राफी कीट प्रो भी लान्च की हैं, जिनकी कीमत क्रमशः 99.99 यूरो और 199.99 यूरो है। शाओमी 17 अल्ट्रा में 6.9 इंच की 1.5के एलटीपीओ अमोलेड स्क्रीन, 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और ड्रेगन क्रिस्टल ग्लास 3 प्रोटेक्शन दिया गया है। फोन 3 एनएम स्नैपड्रेगन 8 इलाइट जेन 5 चिपसेट, अड्रेनो 840जीपीयू, 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज से लैस है। इसका ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप 50एमपी प्राइमरी, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो सेंसर प्रदान करता है, जबकि सेल्फी के लिए 50एमपी फ्रंट कैमरा है। 6,000एमएएच बैटरी 90वाट वायर्ड और 50वाट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। स्टैंडर्ड शाओमी 17 में 6.3 इंच की 1.5के ओलेड स्क्रीन और 6,330 एमएएच बैटरी के साथ 100वाट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है ।

# ईरान संकट से प्रभावित भारतीय चाय निर्यात, भाड़ा और भुगतान पर दबाव

नई दिल्ली

**भारतीय चाय निर्यातक संघ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईरान को भेजी गई चाय के भुगतान अटके हुए हैं। कुछ खेप समुद्र में फंसी हैं और भारत में स्टाक के रूप में खड़ा है। निर्यातक फिलहाल स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, अमेरिका और यूरोप जैसे अन्य बाजारों पर भी अल्पकाल में प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हालात अव्यवस्थित हैं।**

इस सप्ताह कुछ खेप पश्चिम एशिया के लिए जाने वाली थीं, लेकिन खरीदारों ने उन्हें रोकने की सलाह दी। कंपनी का लगभग 70 फीसदी उत्पादन पश्चिम एशिया को निर्यात होता है। दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ के मुताबिक पूरे पश्चिम एशिया में आपूर्ति मुख्य रूप से होर्मुज स्ट्रेट या खाड़ी के बंदरगाहों पर निर्भर है, जिन पर ईरान के हमले से अस्थिरता बढ़ी है। शिपिंग लाइनें कार्गो लेना बंद कर रही हैं और अतिरिक्त सरचार्ज पर विचार कर रही हैं।

भाड़ा और बीमा लागत में बढ़ोतरी की संभावना है। चाय बोर्ड के अनुसार, भारत के कुल चाय निर्यात का लगभग 41 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों को जाता है। 2025 में केवल यूएई, ईरान और इराक को भारत का निर्यात 11.45 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि कुल निर्यात 28.04 करोड़ किलोग्राम था।

## पश्चिम एशिया में तनाव के बीच दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 उड़ानें रद्द

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में तनाव के बीच हवाई यातायात पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ान संचालन लगातार चौथे दिन प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर मंगलवार को 80 उड़ाने प्रभावित हुई हैं, जिनमें 36 प्रस्थान और 44 आगमन की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के चलते कई खाड़ी के देशों ने एयरस्पेस पर प्रतिबंध या आंशिक बंदी लागू की है। सुरक्षा कारणों से कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने अपने रूट बदल दिए हैं, जबकि कुछ ने एहतियातन उड़ानें रद कर दी हैं। इसका सीधा असर नई दिल्ली से खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक पिछले दो दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने बढ़ते तनाव के कारण कुल 760 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। खाड़ी क्षेत्र में कई एयरस्पेस बंद होने से पश्चिम दिशा की उड़ानों के शेड्यूल पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। आकासा एयर ने खाड़ी देशों के लिए उड़ानें 3 मार्च तक स्थगित कर दी हैं।

# होली के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना 2,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,175 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में 20,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त उछाल दर्ज की गई।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये से लेकर 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये से लेकर 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में तीन लाख रुपये का स्तर पार कर 3,15,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

होली के एक दिन पहले दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना

1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

# जनवरी में उछाल, फरवरी में सुस्ती, भारतीय एविएशन सेक्टर पर डबल दबाव

## इंडिगो की मजबूत वापसी, बाजार हिस्सेदारी 63.6 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली

जनवरी 2026 में भारतीय विमानन क्षेत्र को बड़ी राहत मिली। परिचालन सामान्य होने के बाद इंडिगो ने जोरदार वापसी की, जिससे घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 4 फीसदी सालाना और 7 फीसदी महीने-दर-महीने बढ़कर 1.52 करोड़ पहुंच गई। इंडिगो ने 4 प्रतिशत अंक की छलांग लगाते हुए अपनी बाजार हिस्सेदारी 63.6 फीसदी तक बढ़ा ली। इसके विपरीत एयर इंडिया समूह की हिस्सेदारी घटकर 26.5 फीसदी रह गई। स्पाइसजेट 3.9 फीसदी और अकाशा एयर 4.8 फीसदी हिस्सेदारी पर सिमट गई। जनवरी में सीट भराव दर में हल्की गिरावट दर्ज की गई। इंडिगो की लोड फैक्टर 87.7 फीसदी, एयर इंडिया समूह 86.5 फीसदी, स्पाइसजेट 85.9 फीसदी और

अकासा 93.2 फीसदी पर रहे। हालांकि समय पर उड़ानों के मामले में सुधार दिखा। इंडिगो 70.9 फीसदी के साथ सबसे आगे रही, जबकि एयर इंडिया समूह 69.6 फीसदी पर रहा। उड़ान रद्द होने की दर में भी कमी आई—इंडिगो की रद्द दर 9.65 फीसदी से घटकर 1.25 फीसदी पर आ गई, जबकि अकासा की दर सबसे कम 0.41 फीसदी रही। फरवरी के शुरुआती संकेत बताते हैं कि यात्री वृद्धि घटकर करीब 2 फीसदी सालाना रह गई है। इसी बीच मार्च के लिए दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 6 फीसदी बढ़कर 96.6 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

## प्रविण मसालेवाले ने लान्च की सुहाना नूर रेंज, घरों तक पहुँचेगा मुग़लई रसोई का शाही स्वाद

**पुणे।** भारत की सबसे तेजी से बढ़ती फूड साल्यूशंस कंपनियों में से एक, प्रविण मसालेवाले ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए मिश्रित मसालों की नई रेंज सुहाना नूर को बाजार में उतारा है। यह नई श्रृंखला विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए तैयार की गई है, जो घर पर पारंपरिक मुग़लई व्यंजनों का असली और प्रमाणित स्वाद चाहते हैं। कोरमा, करी, टिक्का और बिरयानी जैसे मुग़लई व्यंजनों की वैश्विक लोकप्रियता को देखते हुए कंपनी ने इस विशिष्ट रेंज को विकसित किया है। मुग़लई खानपान की सदियों पुरानी परंपरा और बारीकियों को सहेजने के लिए कंपनी की अनुसंधान टीम ने दो साल से अधिक समय तक गहन शोध किया। इस प्रक्रिया में मुग़लई इतिहास, क्षेत्रीय पाक शैलियों और विशेषज्ञों के अनुभवों को शामिल किया गया ताकि शाही स्वाद को आधुनिक गुणवत्ता मानकों के साथ फिर से बनाया जा सके। इस रेंज की मुख्य विशेषता बेहतरीन सामग्रियों का चयन है, जिसमें स्वाद की गहराई बढ़ाने के लिए पारंपरिक रूप से इस्तेमाल होने वाले सूखे आलूबुखारे जैसे तत्वों का भी प्रयोग किया गया है।

# जार्जिया प्लिमर चोटिल, जिम्बाब्वे वनडे सीरीज़ के लिए बेला जेम्स को न्यूजीलैंड टीम में मौका

वेलिंगटन

जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज़ से पहले न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ जार्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण सीरीज़ से बाहर हो गई हैं। उन्हें यह चोट जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान अभ्यास सत्र में लगी थी। यही कारण रहा कि वह दूसरे और तीसरे टी20 मुकाबले में भी नहीं खेल सकीं। न्यूजीलैंड ने वह टी20 सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की थी।

प्लिमर की जगह पहले तीसरे टी20 से पहले बल्लेबाज़ी कवर के तौर पर टीम में शामिल की गई बेला जेम्स अब वनडे सीरीज़ के लिए उनके आधिकारिक विकल्प के रूप में टीम के साथ बनी रहेंगी। बेला ने दिसंबर 2024 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे पदार्पण किया था और उस सीरीज़ में दो मैच खेले थे। वह पिछले साल वनडे विश्व कप टीम का भी हिस्सा थीं, हालांकि उन्हें अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला था।

मुख्य कोच बेन सायर ने एक आधिकारिक बयान में कहा, जार्जिया हमारे लिए शीर्ष क्रम में एक अहम खिलाड़ी हैं और टीम में जो ऊर्जा वह लेकर आती हैं, वह बेहद मूल्यवान है। उनका इस सीरीज़ से बाहर होना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेला एक शानदार क्रिकेटर हैं और अब तक लगभग 100 लिस्ट-ए मैच खेल चुकी हैं। उनका अनुभव टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगा और वह सहजता से टीम संयोजन में फिट हो जाएंगी।

इस बीच, आफ स्पिनर नेंसी पटेल और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ इज़ी शार्प को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने अब तक वनडे पदार्पण नहीं किया है। नेंसी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके थे, जबकि इज़ी शार्प ने नाबाद 18 और नाबाद 22 रन की पारियां खेली थीं। यह तीन मैचों की वनडे सीरीज़ 5 मार्च से शुरू होगी और 2025-2029 महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। इस चक्र में अब तक श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज अपनी-अपनी अभियान की शुरुआत कर चुके हैं।

## न्यूज़ ब्रीफ

### खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच दुबई में फंसी पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं

नई दिल्ली। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण दुबई में फंसे रहने के बाद मंगलवार को सुरक्षित भारत लौट आईं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु पिछले शनिवार से दुबई में रुकी हुई थीं, जब वह आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए यात्रा कर रही थीं। हालात बिगड़ने के कारण उन्हें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। सिंधु ने सोशल मीडिया पर लिखा, बेंगलुरु में घर वापस आकर सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे लेकिन घर लौटकर बेहद राहत महसूस हो रही है। इस कठिन समय में हमारी मदद करने वाली ग्राउंड टीम, दुबई प्रशासन, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन अधिकारियों और हर उस व्यक्ति का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने हमारी देखभाल की। उनकी संवेदनशीलता और पेशेवर रवैया शब्दों से परे है। फिलहाल आराम कर आगे की योजना पर विचार करूंगी। सिंधु अपनी टीम और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह आदि प्रातामा के साथ दुबई में थीं। रविवार को दुबई एयरपोर्ट के पास उनके ठहरने के स्थान के नजदीक विस्फोट की घटना के बाद उन्हें एहतियातन सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। सिंधु को टूर्नामेंट के पहले दौर में थाईलैंड की खिलाड़ी सुपानिदा कातेथोंग से मुकाबला करना था। गौरतलब है कि शनिवार को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र के कई हिस्सों में हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ।

### अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को आस्ट्रेलिया के ट्राय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों के निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्राफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें है। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

### पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर। टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं।

# टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने अब तक खेले हैं छह सेमीफाइनल, दो बार जीता है खिताब

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम अब आईसीसी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में गुरुवार को इंग्लैंड का मुकाबला करेंगी। भारतीय टीम ने अबतक छह सेमीफाइनल खेले हैं, इसमें उसने दो बार खिताब जीता है। वहीं इस बार भारतीय टीम अपना तीसरा खिताब जीतने उतरेगी। इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम ने सुपर-8 के अंतिम मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं ग्रुप 1 से शीर्ष स्थान लेकर सेमीफाइनल में पहुंची इंग्लैंड टीम भी पूरी तरह से मुकाबले के लिए तैयार है। ऐसे में इस मुकाबले का रोमांचक होना तय है। जिसने 2022 में भारत को हराया था। इससे पहले साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वहीं भारतीय टीम ने साल 2024 में इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी। अब तक टी20 विश्व कप में पांच बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना हुआ है, जिसमें से भारत ने 3 जबकि इंग्लैंड ने दो मैच जीते हैं।

दोनो ही टीमें छह-छह बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। साल 2007 में पहले आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद से ही अब तक कुल नौ सत्र 2007, 2009, 2010, 2012, 2014, 2016, 2021, 2022, 2024 में हुए हैं। 2026 टूर्नामेंट का दसवां संस्करण है। भारतीय टीम छह बार सेमीफाइनल में पहुंची है। उसने पहले सत्र 2007 के साथ ही 2014, 2016, 2022, 2024, 2026 में छह बार सेमीफाइनल में पहुंची। भारतीय टीम तीन बार 2007, 2014, 2024 में फाइनल में पहुंची है। उसने दो बार 2007 और 2024 में खिताब जीता था। इससे पहले भारतीय टीम साल 2014 में भी फाइनल में पहुंची थी पर उसे श्रीलंका के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। इसके बाद साल 2016 में उसे घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज ने हराया था। साल 2022 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी पर उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था।

इसके बाद साल 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने दूसरी बार टी20 विश्वकप ट्राफी जीती थी तब उसने फाइनल में उसने दक्षिण अफ्रीका को हराया था।

### मिचेल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में न्यूजीलैंड की जीत का भरोसा

कोलकाता। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में कड़ा मुकाबला होने के आसार हैं। दोनो ही टीमें को इसमें जीत का भरोसा है। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि उनकी टीम इस मुकाबले को जीतेगी। मिचेल के अनुसार उनकी टीम विरोध टीम के बारे में सोचने की जगह सहज होकर उतरेगी। उसका इरादा किसी भी बात को जरूरत से ज्यादा बड़ाना नहीं है क्योंकि इससे अनावश्यक दबाव पड़ता है। कीवी टीम के इस बल्लेबाज का कहना है कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से पहले भारत में खेली टी20 सीरीज का लाभ मिलेगा। उसके खिलाड़ी यहां के हालातों को जानते हैं। मिचेल ने कहा कि उनकी टीम को मैदान के अंदर और बाहर क्या करना है, इसको लेकर पता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसको लेकर पूरी तरह साफ हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते पर सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बहुत उत्साहित हैं और अपने को खुशकिस्मत मानते है। उन्होंने कहा, हम इस मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। हम मैच के दौरान छोटे-छोटे अवसरों का लाभ उठाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। मिचेल ने कहा कि उनकी टीम ने इस साल की शुरुआत से ही काफी क्रिकेट खेला है जिसका लाभ उसे मिलेगा। उन्होंने कहा, हमने पिछले दो महीनों में भारत में काफी समय बिताया है और हमें अंदाजा है कि यहां के हालात कैसे हैं। न्यूजीलैंड को इससे पहले ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार मिली थी पर इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम उससे उबर गयी है। उन्होंने कहा, उनकी टीम इस टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीमों में से एक हैं और इसी वजह से सेमीफाइनल तक पहुंची है। कोलकाता में विश्व कप सेमीफाइनल में मुकाबला रोमांचक होगा। दोनों टीमें अगले दौर में पहुंचने का पूरा प्रयास करेंगी।

# मध्य-पूर्व में हवाई क्षेत्र बंद होने से वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे टीम की स्वदेश वापसी टली

नई दिल्ली

**वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद भी भारत से स्वदेश नहीं लौट सकीं। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे उनकी वापसी टल गई है। वेस्टइंडीज को रविवार को मेजबान भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। वहीं जिम्बाब्वे सुपर 8 चरण में अपने सभी तीन मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।**

ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के चलते खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इससे दुनिया के व्यस्ततम ट्रांजिट हब प्रभावित हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बाधित हुई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, जिम्बाब्वे पुरुष टीम भारत में सुरक्षित है। टीम की वापसी दुबई होते हुए निर्धारित थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई है।

वहीं क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि वह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए खेल की वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम कर रहा है।

दुबई मुख्यालय वाली आईसीसी ने पहले ही अपने कर्मियों के लिए वैकल्पिक योजना सक्रिय करने की बात कही थी, क्योंकि कई अधिकारी दुबई के रास्ते अपने-अपने देशों को लौटने वाले थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने बयान में कहा, हमारे खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### फआईएच हाकी महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की टीम हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद। एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की महिला हाकी टीमें हैदराबाद पहुंच गई हैं। यह आठ देशों का टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें से तीन टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। कप्तान ली यूरी के नेतृत्व में कोरिया की टीम नौ विश्व कप अभियानों का अनुभव लेकर आई है। टीम एक बार फिर विश्व मंच पर वापसी करते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (1990 में कांस्य पदक) को दोहराने की कोशिश करेगी। वहीं, वेल्स की टीम 2025 यूरोहाकी चैम्पियनशिप में उपविजेता रहने के बाद शानदार फार्म में है। वेल्स 1983 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ इस क्वालीफायर में उतरेगा। टूर्नामेंट में कोरिया को पूल-ए में इंग्लैंड, इटली और आस्ट्रिया के साथ रखा गया है। जबकि वेल्स पूल-बी में भारत, स्काटलैंड और उरुग्वे के साथ मुकाबला करेगा।

# आईसीसी ने टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मैच के लिए नियुक्त किए अधिकारी

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पहला सेमीफाइनल बुधवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में आन-फील्ड अम्पायर के रूप में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ जिम्मेदारी संभालेंगे। दो वर्ष पहले इसी चरण में दक्षिण अफ्रीका की जीत के दौरान भी इलिंगवर्थ मैदान पर मौजूद थे, जब प्रोटियाज ने अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटकर नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। कोलकाता में इस मैच के लिए नितिन मेनन तीसरे अम्पायर होंगे, राड टकर चौथे अम्पायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि जवागल श्रीनाथ को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है। दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को मुंबई में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में आन-फील्ड अम्पायर क्रिस गैफनी और अल्लाउद्दीन पालेकर होंगे। एड्रियन होल्डस्टाक तीसरे अम्पायर, पाल राइफल चौथे अम्पायर और एंडी पायकाफ्ट मैच रेफरी की भूमिका में रहेंगे। वर्ष 2024 में इसी चरण में दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने 68 रन से जीत दर्ज की थी और उस मैच में भी गैफनी अम्पायर थे। इस टूर्नामेंट में गैफनी भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के मुकाबलों में भी अम्पायरिंग कर चुके हैं। पालेकर इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज और स्काटलैंड के मैचों के अलावा भारत बनाम नीदरलैंड्स मुकाबले में भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

- पहला सेमीफाइनल (कोलकाता, 4 मार्च), दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड

**आन-फील्ड अम्पायर:** रिचर्ड इलिंगवर्थ, एलेक्स व्हार्फ

**तीसरे अम्पायर:** नितिन मेनन

**चौथे अम्पायर:** राड टकर

**मैच रेफरी:** जवागल श्रीनाथ

- दूसरा सेमीफाइनल (मुंबई, 5 मार्च), भारत बनाम इंग्लैंड

**आन-फील्ड अम्पायर:** क्रिस गैफनी, अल्लाउद्दीन पालेकर

**तीसरे अम्पायर:** एड्रियन होल्डस्टाक

**चौथे अम्पायर:** पाल राइफल

**मैच रेफरी:** एंडी पायकाफ्ट हैं।

# टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली

**आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नोमेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है।**

शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

### वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो

सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं।

### अभिषेक को मनोज तिवारी ने दी नसीहत

कोलकाता। पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की खराब बल्लेबाजी पर नाराजगी जतायी है। अभिषेक विश्वकप कप मे अब तक एक ही मैच में रन बना पाये हैं। वहीं अन्य चार मैचों में असफल रहे हैं। तीन बार तो वह खाता भी नहीं खोल पाये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मुकाबले में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक बार फिर आते ही बड़ा शाट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। इसी को देखते हुए तिवारी का कहना है कि अभिषेक अपने छोटे से करियर में स्टार तो बन गए हैं, मगर अगर उन्हें सुपर स्टार बनना है तो टीम को अधिक से अधिक मैच जिताने होंगे। तिवारी ने कहा, वह इतने कम समय में ही स्टार बन गया है पर अगर उसे सुपरस्टार बनना है, तो उसे टीम के लिए और मैच जीतने होंगे। आज के समय में कड़ी प्रतिस्पर्धा है टीम के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं, इसलिए उसे उनसे आगे रहना होगा। मेरा मतलब ये नहीं है कि कोच और टीम प्रबंधन उससे नाराज हैं, और उसे अगले गेम के लिए बेंच पर बैठा देंगे। उसे वह आजादी दी गई है। साथ ही कहा, जब आप अपने विकेट की कीमत नहीं लगाते, तो आप ऐसे ही खराब शाट खेलकर आउट होते हैं। उसे अब अपनी मानसिकता बदलते हुए ये तय करना होगा कि किन गेंदो पर खेलना है और किन पर नहीं। उसे विरोधी गेंदबाजों को कुछ सम्मान तो देना ही होगा। हमें हम अपना अंदाज बदलने को नहीं कर रहे केवल उसे संतुलित रखने को कह रहे हैं। उसमें इतनी क्षमता है कि अगर वह 3 से 4 गेंदों पर न भी रन बनाये तो आगे के ओवरों में कमी पूरी कर सकता है। इससे पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर सहित कई दिग्गजों ने भी आते ही शाट लगाने की जगह पर पहले विकेट पर कुछ समय बिताने और रन बनाने को कहा था जिससे कि वह लय हासिल कर सकें।

# कान के संक्रमण में देखभाल और बचाव

मानव के शरीर में मौजूद पांच ज्ञानेंद्रियों में से एक कान भी होते हैं। इन्हें भी बाकी ज्ञानेंद्रियों की तरह विशेष देखभाल की जरूरत होती है और देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही बरतने पर इन्हें नुकसान पहुंच सकता है। आमतौर पर भी कान में कई समस्याएं हो सकती हैं जिनमें से कानों का संक्रमण भी एक है जिसके प्रति लापरवाही बरतने से गंभीर परिणामों के रूप में सुनने की क्षमता भी जा सकती है। तो चलिए जानें कि कान के संक्रमण में देखभाल व इससे बचाव क्या हैं। कान के दो भाग होते हैं। बाहरी कान और भीतरी। बाहरी कान जो हमें दिखाई देता है और उसकी बनावट हमारे चेहरे के अनुसार होती है। साधारणतया कान की चमड़ी बाहर की तरफ बढ़ती है, और मैल आदि को बाहर फेंकती जाती है। भीतरी कान का हिस्सा जो हमें दिखाई नहीं देता, परंतु उसमें भी कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें से एक है कान का संक्रमण।

**कान में संक्रमण:** यूं तो कान से जुड़ी बीमारी का उम्र से कोई विशेष लेना-देना नहीं है, क्योंकि यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। फिर भी 50 वर्ष की उम्र से अधिक व्यक्तियों में, विशेषतौर पर सर्दियों और बरसात के मौसम में कान से जुड़ी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। इसलिए सर्दियों और बरसात के मौसम में बुजुर्गों को कान के प्रति ज्यादा सजग रहना चाहिए और उनकी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

**मध्य कान का संक्रमण (ए.एस.ओ.एम):** देखा गया है कि मध्य कान का संक्रमण आमतौर पर ऊपरी नाक या गले की बीमारियों के कारण अधिक होता है। यह संक्रमण ईएनटी नालिका द्वारा कान में पहुंचने वाले स्त्रावों के कारण होते हैं। बच्चों में अक्सर साधारण जुकाम या गला खराब होने मात्र से भी कई बार कान का संक्रमण हो जाता है। बच्चों में ऐसा अधिक इसलिए होता है क्योंकि उनमें ईएनटी नालिका छोटी और सीधी होती है।

**कारण और रोग की जानकारी:** मध्य कान के संक्रमण आमतौर पर पीप पैदा करने वाले बैक्टीरिया और कभी कभी वायरस के कारण हो जाते हैं। इसके प्रारम्भ में, कान में भारीपन, दवाब, हल्का दर्द होता है। कुछ मामलों में उल्टी और बुखार भी हो सकता है। ऐसे में यदि समय पर इलाज न हो तो संक्रमण बढ़ भी जाता है और कान में पीप के कारण टीस भरा दर्द हो सकता है। इलाज न हो तो एक दो दिनों में कान का पर्दा भी फट सकता है। इलाज होने पर आमतौर पर दो तीन दिनों तक पीप निकलती है और फिर कान सूख जाता है। उसके बाद धीरे-धीरे कान का पर्दा भी ठीक होने लगता है। रोग के ठीक होने के लिए कान को साफ रखना ज़रूरी है। दिन में दो बार नाक से भाप लेने से ईएनटी नासिका खुली रहती है। कान और नाक में सूजन को रोकने के लिए सीपीएम की गोलियां देनी चाहिए। साफ करने के बाद कान को रूई से सुखा लें। कान में एन्टीमाईक्रोबियल दवाई न डालें। रूई की फाहे को पीप सोखने तक कान में रखे रहें। उसके बाद उसकी जगह एक साफ फाहा रख दें। फाहे से मक्खियां दूर रहती हैं। मक्खियों को कभी भी कान में न घुसने दें क्योंकि वो अण्डा देकर खतरनाक झिल्ली पैदा कर देती है। कान में से पीप निकालने के लिए एक नुक्सान देह रिवाज़ है चुल्लू भर पानी कान में डालना। इससे कान में गन्दा पानी जाकर संक्रमण बढ़ता है। कान के आकस्मिक संक्रमण भी आमतौर पर एक हफ्ते में ठीक हो जाते हैं। पर्दे में छेद होने से ठीक होने में देरी हो जाती है। कान के पर्दे को ठीक होने में कम से कम दो से तीन हफ्ते लग जाते हैं। इसके अलावा कान को किसी नुकीली चीज से खुजलाने से या कान छेदने से कान में संक्रमण हो सकता है। कुछ वस्तुएं जैसे क्रीम, इत्र कान में उपयोग में आने वाली दवाइयों की एलर्जी से भी संक्रमण होता है। कान लाल हो जाता है, खुजली आती है एवं दर्द हो सकता है। लोगों को इन चीजों का उपयोग न करने की सलाह दी जाती है। थोड़ी सी लापरवाही कान के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। यदि कान में मैल जम जाए और ठीक से सफाई नहीं की जाए तो मैल की परत धीरे-धीरे पत्थर जैसा रूप धारण कर लेती है। इससे कान का रास्ता बंद हो जाता है तथा रोगी को दर्द के साथ ऊंचा भी सुनाई देने लगता है।

# ड्रोन देंगे हजारों नौकरियां...

ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ने के साथ ही वे विश्व की अर्थव्यवस्था में हजारों नौकरियां लाने वाले हैं। इनमें अभ्यारण्य में जानवरों पर नजर रखना, आधुनिक तौर-तरीके से खेती, तेल-गैस की खोज, फिल्म निर्माण और जनसुविधाओं का निरीक्षण शामिल हैं। चालकरहित हेलिकॉप्टर या हवाई जहाजों को ड्रोन कहते हैं। ये अब सैन्य प्रयोग की सीमा से बाहर निकल आए हैं और जीवन के कई क्षेत्रों में कामकाज का तरीका बदल रहे हैं। फिल्में शूट करने से लेकर खेलों की रिपोर्टिंग और लुप्तप्राय प्रजातियां बचाने, जंगल की आग बुझाने, पाइपलाइनों पर निगरानी और ज्यादा प्रभावशाली ढंग से खेती करने तक इनका इस्तेमाल हो रहा है। मिसाल के लिए प्रिसीजन कृषि यानी हर पौधे की जरूरत के अनुरूप कृषि में ड्रोन ऊपर उड़ते हुए पत्ते की हालत से जानकारी देता है कि खेत में कोई विशेष पौधा स्वस्थ है या नहीं, ज्यादा भीगा है या सूखा या फिर उसमें खाद डालने की जरूरत है।

## इनकी मांग बढ़ेगी

विशेषज्ञों का कहना है कि उद्योगों की संख्या बढ़ने से नौकरियां भी बढ़ेंगी- ड्रोन पायलट, सिस्टम्स इंजीनियर, ड्रोन के डिजाइन और निर्माण के काम, सेंसर ऑपरेटर, तकनीशियन, फोटोग्राफरों की मांग बढ़ेगी। यह उड्डयन उद्योग का नया अध्याय है। मानव रहित प्रणालियां बहुत अलग नहीं होतीं। आपको कंट्रोल सेंटर में लोगों की जरूरत फिर भी पड़ती है। ड्रोन मानवयुक्त उड़ानों की जगह नहीं ले रहे, बल्कि उनके साथ ही मनुष्य की जरूरत पूरी करने में मददगार साबित हो रहे हैं।

## ऐसे होता है इस्तेमाल

दुनिया में अब सिर्फ 21,000 गैंडे ही बचे हैं। हर महीने उनके शिकार के 20 मामले सामने आते थे, पर अब जिन क्षेत्रों में ड्रोन से निरीक्षण शुरू किया गया है, वहां ऐसे मामले न के बराबर हो गए हैं। मानवरहित उड़ान प्रणालियों का इस्तेमाल तो 19वीं सदी की शुरुआत से कर रहे हैं और जापान प्रिसीजन कृषि में ड्रोन का इस्तेमाल 1980 के दशक से कर रहा है। आज ऐसे ड्रोन मौजूद हैं, जो स्मार्टफोन से भी चलाए जा सकते हैं, लेकिन एक पेशेवर क्वालिटी का ड्रोन कम से कम 1000 डॉलर यानी करीब 68,000 रुपए का मिलता है उच्च गुणवत्ता के ड्रोन की कीमत लाखों में हो सकती है।

## ये हैं संभावनाएं

यूरोपीय कमीशन इंपैक्ट एसेसमेंट के अनुसार दुनिया भर में ड्रोन का बाजार 2022 तक दोगुने से बढ़कर करीब चार अरब यूरो सालाना हो जाएगा। विश्व बाजार के 25 फीसदी ड्रोन यूरोप में होंगे और इनके इस्तेमाल से 2050 तक डेढ़ लाख नौकरियां मिलेंगी। ड्रोन के इस्तेमाल से रोजगार के बहुत कमाल के अवसर पैदा हुए हैं। अगर इनकी पूरी क्षमता का दोहन कर सकें तो ड्रोन यूरोप में हजारों नई नौकरियां पैदा कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में व्यवसायिक ड्रोन उद्योग के 2025 तक अमरीकी अर्थव्यवस्था में 82 अरब डॉलर का योगदान करने और करीब एक लाख नौकरियां पैदा करने की संभावना है।

## शुरू हो रहे कोर्स

जिन लोगों के पास ड्रोन पायलट या सिस्टम्स इंजीनियर जैसे विशेष हुनर हैं, उनके लिए आने वाले 40-50 सालों में नौकरी की गारंटी है। देखा गया है कि जो लोग अपने सर्टिफिकेट लेकर लॉकहीड मार्टिन और बोइंग में गए हैं, उन्हें नौकरी मिल गई है। अमरीका में ड्रोन पायलट सालाना 80 हजार से एक लाख डॉलर तक कमा रहे हैं। अमरीका में स्कूल-कॉलेज मानवरहित प्रशिक्षण कार्यक्रम को पाठ्यक्रम में जोड़ रहे हैं। इसे कॉलेजों में मानवरहित प्रणालियों या उड़ान प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में शामिल किया जा रहा है।

### यहां है ड्रोन के इस्तेमाल की इजाजत

■ आसमान से फोटो लेने/ सर्वेक्षण/ निरीक्षण ■ रियल एस्टेट ■ कृषि निगरानी ■ इन्फ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण ■ फिल्म निर्माण ■ जंगल की आग का पता लगाना ■ जनसुविधाओं का निरीक्षण ■ खोज और बचाव ■ आपातकालीन प्रबंधन ■ - समाचार संकलन ■ पर्यावरण की निगरानी ■ तेल और गैस की खोज ■ खनन ■ बीमा ■ मौसम की निगरानी

## अंतरराष्ट्रीय कानून की जरूरत:

फिलहाल वायु क्षेत्र के इस्तेमाल के अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं हैं। जापान, कनाडा, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने नागरिक ड्रोनों के संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नियम बना लिए हैं। अमरीका में कानून, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के साल के मध्य तक छोटे मानवरहित विमानों के लिए ड्रोन नियमावली जारी करने की उम्मीद है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार ड्रोन उड़ाने के लिए एक विशेष प्रमाणपत्र लेना होगा और ड्रोन को 500 फीट से नीचे उड़ाना होगा, ताकि वह नजर में आ सकें। उन्हें सिर्फ दिन के समय ही उड़ाया जा सकेगा।

## फीडबैक से मिलेगी दिशा...

हम अपनी कामकाजी जिंदगी का एक-तिहाई हिस्सा ऑफिस में गुजारते हैं। अपने काम के प्रति सदैव सकारात्मक रहते हैं, काफी मेहनत करते हैं, सारा काम समय से पूरा करते हैं। इसके बावजूद हमें यह पता नहीं चल पाता कि हमारी परफॉर्मेंस कैसी है और बॉस हमारे काम से किस हद तक संतुष्ट हैं। कई बार तो यह भी आभास नहीं हो पाता कि ऑफिस में हमारी भूमिका किस स्तर की है। इन सब का असर हमारे प्रदर्शन पर पड़ता है तथा उत्पादन प्रभावित होता है। देखा जाए तो यह सारा खेल फीडबैक की कमी का है। बिना फीडबैक के काम शुरू करने का मतलब है बिना किसी मैप या संकेत चिह्न के यात्रा शुरू करना। आपके पास भले ही काम की अच्छी समझ हो, लेकिन काम को ट्रैक पर रखने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। यदि कर्मचारियों के पास थोड़ा सा भी फीडबैक हो तो वे काम को ट्रैक पर ला सकते हैं।

## फीडबैक फैमिन

अकसर देखा गया है कि कर्मचारी पूरे जोश के साथ अपना काम करते हैं, लेकिन फीडबैक के अभाव में निरंतर एक तरह की गलतियां दोहराते रहते हैं। बॉस व कर्मचारियों के बीच सुझाव और फैसले में समानता न होकर विरोधाभास नजर आता है। इस स्थिति को फीडबैक फैमिन कहा जाता है। यह फीडबैक फैमिन किसी भी कंपनी के लिए खतरनाक होता है। इससे कंपनी का कामकाज तो प्रभावित होता ही है, कर्मचारियों की कार्यशैली में भी कोई सुधार नहीं हो पाता, चाहे कंपनी किसी भी स्तर की हो।

## मिलती है भरपूर ताकत

आपको ऐसे कई लोग मिलेंगे, जो सफलता के शिखर पर हैं। निश्चित तौर पर उन्होंने भी कठिन परिस्थितियों एवं चुनौतियों का सामना किया होगा, दूसरों से अपने कार्यों के बारे में फीडबैक लिया होगा। सही मायने में फीडबैक हमें दिशा दिखाता है कि यदि हम सही रास्ते पर न हों तो खुद को पटरी पर लाएं। फीडबैक एक आसान व पावरफुल मैनेजमेंट टूल है। यह कर्मचारियों की संतुष्टि व उत्पादन बढ़ाने का काम करता है। इसके जरिए सफलता व असफलता का अंतर जाना जा सकता है। यदि किसी को समय रहते उसके प्रदर्शन में कमी का पता चल जाए तो सुधार के अवसर व संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसीलिए काबिल कर्मचारी अपने वरिष्ठों की बात गहराई से सुनता है।

## सुनने को भी तैयार रहें

दूसरों के मुख से अपने प्रदर्शन की निंदा सुनना आसान नहीं होता, जबकि सच्चाई यह है कि फीडबैक मिले बिना आप अपने बारे में दूसरों की राय नहीं जान पाते। हमें अपनी सेवा या उत्पाद की गुणवत्ता का अनुमान नहीं हो पाता। फीडबैक लेने के साथ शिकायत सुनने का धैर्य भी रखें। इसे सकारात्मक पहल के रूप में लें। हम चाह कर भी फीडबैक की उपेक्षा नहीं कर सकते। छात्र भी तो परीक्षा परिणाम के रूप में फीडबैक ही पाते हैं।

## कई हो सकते हैं स्रोत

फीडबैक कई स्रोतों मसलन मैनेजर, सुपरवाइजर, मेजरमेंट सिस्टम, क्वालिटी कंट्रोल टीम, मित्र समूह, कस्टमर से मिल सकता है। इसमें जरूरी यह नहीं है कि फीडबैक किस स्रोत से मिल रहा है, देखने वाली बात यह है कि यह फीडबैक कितना विश्वसनीय है और इस पर काम कर कंपनी को किस हद तक तरक्की की राह पर ले जाया जा सकता है।

## संदेश सकारात्मक हो

फीडबैक के बारे में यह आम धारणा है कि यह नेगेटिव ही होगा, इसलिए इसे सकारात्मक तरीके से दिया जाना चाहिए, ताकि कर्मचारियों को यह लगे कि यह उनके और कंपनी के हित की बात है। कई बार कर्मचारियों की ओर से बेहतर प्रदर्शन नहीं हो पा रहा है और बॉस को नेगेटिव फीडबैक देना है तो फिर उन्हें कहानी बदलनी पड़ेगी। उन्हें कर्मचारियों को हतोत्साहित न करते हुए अपना संदेश और जरूरत उन तक पहुंचानी होते है। यह काम बहुत ही सावधानीपूर्वक करना का है।

## जरूरतों को भी समझें

यदि आप टीम लीडर या मैनेजर हैं और आपको कर्मचारियों को फीडबैक देना है तो इसके लिए आपको कई तरह की तैयारी भी करनी होगी। आपको कर्मचारियों की जरूरतों को भी सुनना पड़ेगा और उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि आप उनके आइडियाज और जरूरतें सुनने के लिए तैयार और इच्छुक हैं।

# स्कैबीज क्या है

## इसके लक्षण और उपचार

स्कैबीज घुन से होने वाला खुजली वाला त्वचा का संक्रमण है। इसके अंडो और मल से होने वाले एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण रोगी को दाने या मुंहासे होते हैं। इसका उपचार आसानी से हो सकता है।

यह बीमारी एक-दूसरे के संपर्क में आने से होती है। इसके अलावा यदि आप इस बीमारी से संक्रमित किसी भी व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर या फर्नीचर प्रयोग करते हैं तो यह आपको भी हो सकती है। भीड़भाड़ वाली जगहें, जैसे - जेल, नर्सिंग होम और बच्चों की देखभाल करने वाले स्थानों पर स्कैबीज संक्रमण के फैलने का खतरा अधिक होता है।

### क्या होता है स्कैबीज

स्कैबीज त्वचा का वह संक्रमण है जो घुन के कारण होता है। जब घुन आपकी त्वचा की परत को भेदते हुए अंदर प्रवेश कर जाती है, तब यह समस्या होती है। स्कैबीज किसी को भी हो सकती है। यह किसी भी उम्र, आय और सामाजिक स्तर के लोगों को हो सकती है। यहां तक कि जो लोग स्वयं को बेहद स्वच्छ रखते हैं उन्हें भी स्कैबीज हो सकती है।

### कैसे फैलती है

स्कैबीज घुन के काटने से तो फैलती ही है साथ ही यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक नजदीकी से भी हो सकती है। यह एक संचारित रोग है, जो तौलिए, चादर और अन्य निजी वस्तुएं इस्तेमाल करने से हो सकती है। स्कैबीज एक साथ परिवार के कई सदस्यों को हो सकती है। इतना ही नहीं यदि किसी संक्रमित व्यक्ति को इसके लक्षण न भी नजर आ रहे हों, तब भी वह दूसरे व्यक्ति को इस रोग से संक्रमित कर सकता है।

### लक्षण

स्कैबीज से गंभीर खुजली होती है, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेशेज के साथ छोटे फफोले और घाव हो जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में खुजली की समस्या अधिक होती है। बच्चों की त्वचा अपेक्षाकृत अधिक संक्रमित होती है।

### कैसे होता है निदान

डॉक्टर स्कैबीज के निदान की प्रक्रिया आपके लक्षणों के आधार पर करता है। स्कैबीज का सबसे कारण किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क होता है। इसके बाद डॉक्टर बड़े आराम से संक्रमित और रूखी त्वचा को खुरचकर सूक्ष्मदर्शी द्वारा उसकी जांच करता है। अधिकतर लोगों को इस जांच से कोई दर्द नहीं होता।

### कैसे होता है इलाज

स्कैबीज अपने आप ठीक नहीं होती। आपको डॉक्टर की सुझायी खास क्रीम अथवा लोशन का इस्तेमाल करना होता है। कुछ गंभीर मामलों में आपको दवा का भी सेवन करना पड़ सकता है। स्कैबीज में दी जाने वाली कुछ दवायें बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवा रहीं माताओं के लिए सुरक्षित नहीं होतीं। इन दवाओं के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए अपने डॉक्टर की सुझाई दवाओं को सही प्रकार पालन करें और डॉक्टरी सलाह को अनदेखा न करें। अगर आपको स्कैबीज है, तो आपको और आपके समीप रहने वाले परिजनों का इलाज एक ही समय पर होना चाहिए। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ ही आपको अपने कपड़े और तौलिए आदि भी सावधानीपूर्वक साफ करने चाहिए। घावों से होने वाले रक्तस्राव भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इलाज के बाद सामान्य दो से चार सप्ताह तक खुजली रहती है। घुन के द्वारा हुई एलर्जी को दूर करने में आपके शरीर को इतना समय तो लगता ही है।

# स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बुरी आदतों को कैसे छोड़ें

नियमित व्यायाम और स्वस्थ खानपान से ही स्वस्थ नहीं रहा जा सकता है। सुबह जगने से रात को सोने तक कई ऐसी आदतें होती है जिससे स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। कई बार हमें बुरी आदतों की लत होती है जिसका असर हमारी सेहत पर होता है। बुरी आदतों को छोड़ने से पहले हमें यह जान लेना चाहिए कि हम अपनी दिनचर्या में कौन सी ऐसी आदतें अपनाते हैं जिसकी वजह से हमारी सेहत बिगड़ रही है। किसी भी बुरी और अस्वस्थ आदतों को छोड़ने के लिए देर नहीं होती है। जब आपको लगे कि आपकी ये आदतें आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह है तो उसे छोड़ देना चाहिए। आइए जानें किस प्रकार से बुरी आदतों को कैसे छोड़ा जा सकता है...

## स्नैक्स का सेवन

कई बार भूख ना होने पर भी हम लगातार कुछ ना कुछ खाते रहते हैं जो कि सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। हमेशा कुछ ना कुछ खाने से आपकी प्राकृतिक भूख खत्म हो जाती है। लगातार खाते रहने से वजन बढ़ने की समस्या हो जाती है जो डायबिटीज, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों को पैदा करता है। अगर आप स्नैक्स में जंक फूड लेते हैं तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए और भी खतरनाक हो सकता है।

### कैसे छोड़े

अगर आप सच में इस आदत को छोडना चाहते हैं तो खुद को इसके लिए तैयार करें। अगर आपको इस आदत को छोड़ने में परेशानी हो रही है तो हैल्दी स्नैक्स का सेवन करें जिससे शरीर को जरूरी पोषण मिल सके। इससे आपकी कुछ खाने की प्रबल इच्छा में भी कमी आएगी जिससे वजन कम रहेगा।

## ज्यादा टीवी देखना

अगर आप ज्यादा टीवी देखेते हैं तो आपकी शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है जो वजन बढ़ने का कारण हो सकती है। वजन बढ़ने के साथ कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है जिसमें टाइप टू डायबिटीज मुख्य है। एक बड़े स्तर पर किए गए अध्ययन में सामने आया है कि जो लोग दिन में दो घंटे से ज्यादा टीवी देखते है स्नैक्स के तौर पर चीनी युक्त पेय पदार्थ, जंक फूड़ का सेवन करते हैं उनमें गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

### कैसे छोड़ें

अगर आप टीवी के सामने बैठने की आदत को नहीं छोड़ पा रहे हैं तो आप खुद को व्यस्त रखने के लिए मनपसंद हॉबी क्लास ज्वाइन कर सकते हैं या किसी पुराने मित्र से मिलने जा सकते हैं। इससे आपका मूड भी अच्छा रहेगा और बढ़ते वजन की समस्या से भी बच पाएंगे।

## ओवरईटिंग करना

अगर आप बढ़ते वजन का शिकार हैं तो ध्यान दें कि कहीं आप ओवरईटिंग की आदत से तो ग्रस्त नहीं हैं। ज्यादातर लोग चाह कर भी अपनी इस आदत को थोड़ नहीं पाते हैं। पेट भरने के बाद भी वे खाना खत्म करने के लिए ओवरईटिंग करते हैं। आपकी यह आदत आपके लिए कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है।

### कैसे छोड़ें

अगर आप अपने पसंदीदा खाने को देखकर खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाते हैं तो उसे प्रतिदिन न खाकर सप्ताह में एकाध बार खाएं। पानी अधिक से अधिक मात्र में पिएं। पानी पीने से आपको भूख कम लगेगी। एक बार में कम ही खाना लें। आप जितना ज्यादा खाना अपनी प्लेट में लेंगे, उतना ज्यादा ओवरईटिंग करेंगे ही।

**स्वास्थ्य के लिए हानिकारक आदतों को पहचाने और उन्हें तुरंत छोड़ने का प्रयास करें। इससे ना सिर्फ आप स्वस्थ रहेंगे बल्कि गंभीर बीमारियों से भी बचे रहेंगे।**

## स्मोकिंग की लत

कई बार युवा कूल दिखने के लिए स्मोकिंग की शुरुआत करते हैं लेकिन धीरे-धीरे वे इसके आदी हो जाते हैं। कुछ लोग तो सुबह उठने के साथ ही धूम्रपान करना शुरु कर देते हैं। इसके अलावा देर तक जगने के लिए भी लोग धूम्रपान की मदद लेते हैं। सिगरेट से स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे अपनी इस आदत को छोड़ नहीं पाते हैं।

### कैसे छोड़ें

सिगरेट छोड़ने के लिए जरूरी है दृढ़ इच्छाशक्ति जिससे कि आप सिगरेट छोड़ सकते हैं। सिगरेट छोड़ने में एक बार असफल होने से घबराए नहीं। ज्यादातर स्मोकर्स सिगरेट पीना छोड़ने से पहले कई बार अपनी कोशिश में नाकाम होते हैं। शुरुआती दिनों में स्मोकर्स से दूर रहें। साथ ही, तलब होने पर खुद पर बस 5 मिनट के लिए संयम रखें। इसके बाद इच्छा खुद-ब-खुद कम हो जाती है।

## एल्कोहल की आदत

हर रोज एल्कोहल का सेवन आपके लिए जहर के समान होता है। जो महिलाएं हर रोज एल्कोहल का सेवन करती हैं उनमें लिवर डैमेज और ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। पुरुषों के लिए भी यह कम खतरनाक नहीं है। इससे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

### कैसे छोड़े

अगर आपके एल्कोहल की आदत को छोड़ना चाहते हैं तो धीरे-धीरे इस आदत में बदलाव लाने की कोशिश करें। अगर आप लग रहा है कि आप एल्कोहल का सेवन नहीं छोड़ पा रहे हैं तो काउंसलिंग की मदद ले सकते हैं। इसके साथ ही कुछ खास दवा नियम से ली जाए, तो शराब की लत के शिकार लोगों को राहत मिल सकती है। ये दवाएं न सिर्फ ऐल्कॉहॉल से शरीर को होने वाली बीमारियों को ठीक करती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)